मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 8 अंक 270
रविवार, 19 अप्रैल 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

नारी शक्ति की उड़ान को रोका गया: पीएम मोदी

नई दिल्ली, 18 अप्रैल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज राष्ट्र के नाम अपना संबोधन दिया। इस दौरान उन्होंने देश की माताओं और बहनों के समक्ष अपना पक्ष रखा। प्रधानमंत्री ने साफ तौर पर कहा कि मैं माताओं और बहनों से बात करना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति की उड़ान को विपक्ष के द्वारा रोक दिया गया। उन्होंने देश की महिलाओं से माफी भी मांगी और कहा कि हम अपने प्रयास में सफल नहीं हो सके। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं आज यहां देश की माताओं, बहनों और बेटियों से बात करने आया हूं। उन्होंने आगे कहा कि हम महिला आरक्षण विधेयक पारित कराने में सफल नहीं हो सके। अफसोस जताते हुए उन्होंने कहा कि मैं देश की माताओं और बहनों से तहे दिल से माफी मांगता हूं।राजनीति

प्रधानमंत्री ने विपक्षी दलों की भी आलोचना की और उन पर विधेयक को रोकने का आरोप लगाया। उन्होंने विधेयक की विफलता के लिए कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके और सपा सहित विभिन्न दलों की स्वार्थी राजनीति को जिम्मेदार ठहराया। मोदी ने महिला आरक्षण विधेयक की विफलता को लेकर विपक्षी दलों की आलोचना की और उन पर जनहित से ऊपर राजनीति रखने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों की संकीर्ण और स्वार्थी राजनीति के कारण देश की माताओं और बहनों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ा। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि कुछ विपक्षी समूहों ने विधेयक के गिरने का जश्न मनाया और कहा कि विधेयक के गिरने पर ये वंशवादी दल तालियां बजा रहे थे।

नरेंद्र मोदी ने महिला आरक्षण विधेयक की विफलता को लेकर विपक्षी दलों पर अपना हमला तेज करते हुए उन पर महिलाओं की गरिमा और अधिकारों को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने महिलाओं के

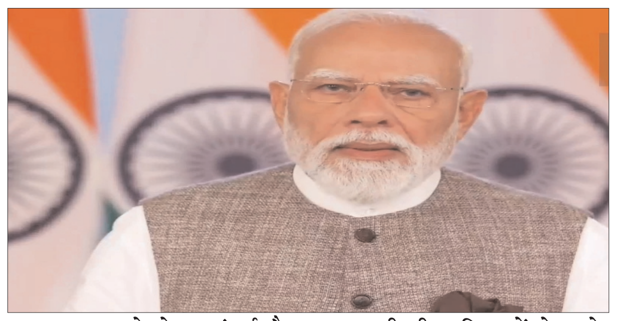

आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाई है। उन्होंने आगे कहा कि महिलाओं को उनके उचित अवसर से वंचित कर-के विपक्षी दल एक तरह से अपनी ही प्रशंसा कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि विपक्ष ने महिलाओं का अपमान किया है, देश की महिलाएं इसे कभी नहीं भूलेंगी। उन्होंने कहा कि महिलाएं कई बातें भूल सकती हैं, लेकिन वे अपने अपमान को कभी नहीं भूलतीं।

मोदी ने कहा कि कांग्रेस, डीएमके, टीएमसी और सपा जैसी परिवारवादी पार्टियां खुशी से तालियां बजा रही थी। महिलाओं से उनके अधिकार छीनकर ये लोग मेजें थपथपा रहे थे। उन्होंने जो किया, वो केवल टेबल पर थाप नहीं थी, वो नारी के स्वाभिमान पर, उसके आत्मसम्मान पर चोट थी। उन्होंने कहा कि नारी सब भूल जाती है, लेकिन अपना अपमान कभी नहीं भूलती। इसलिए संसद में कांग्रेस और उसके सहयोगियों के व्यवहार की कसक हर नारी के मन में हमेशा रहेगी। संसद में नारीशक्ति वंदन संशोधन का जिन भी दलों ने विरोध किया है, वे लोग नारी शक्ति को ङ्घ१ ॅ१ल्लशीं ले रहे हैं। वो ये भूल रहे हैं कि 21वीं सदी की नारी देश की हर घटना पर नजर रख रही है। वो उनकी मंशा भाप रही हैं और सच्चाई भी भलीभांति जान चुकी है। इसलिए महिला आरक्षण का विरोध करके जो पाप विपक्ष ने किया है, इसकी उन्हें सजा जरूर मिलेगी। इन दलों ने संविधान निमार्ताओं की भावनाओं का भी अपमान किया है। इस विधेयक के तहत, 2011 की जनगणना के आधार पर किए गए परिसीमन के बाद, 2029 के संसदीय चुनावों से पहले महिला आरक्षण कानून को लागू करने के लिए लोकसभा सीटों को वर्तमान 543 से बढ़ाकर 816 किया जाना था। राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं में भी महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को शामिल करने के लिए सीटें बढ़ाई जानी थीं। इस महत्वपूर्ण विधेयक को पारित करने के लिए दो-तिहाई बहुमत आवश्यक था।

मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने ममता बनर्जी पर निशाना साधा

कोलकता, 18 अप्रैल। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार पर राज्य के संसाधनों को बांग्लादेशी मुस्लिम घुसपैठियों के हवाले करने का आरोप लगाते हुए शनिवार को कहा कि उन्हें सत्ता से हटाना होगा, वरना हम बंगाल को गंवा देंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता शर्मा ने कालिम्पोंग में एक रैली को संबोधित करते हुए दावा किया कि असम और त्रिपुरा की भाजपा सरकारों ने बांग्लादेशी मुसलमानों को भारत में घुसने से रोका है, जबकि बंगाल में अवैध घुसपैठ जारी है।

उन्होंने कहा, ममता बनर्जी ने बंगाल का पूरा खजाना बांग्लादेशी मुस्लिम घुसपैठियों के लिए आरक्षित कर दिया है। उन्होंने वोट के लिए इस भूमि को बांग्लादेशी मुसलमानों को बेच दिया। शर्मा ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री बनने के बाद से बनर्जी ने पूरे बंगाल को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने कहा, हमें ममता बनर्जी को

बंगाल के मुख्यमंत्री पद से हटाना होगा, अन्यथा एक दिन बांग्लादेशी मुसलमान हमसे यह राज्य छीन लेंगे। भाजपा नेता ने दावा किया कि बनर्जी के कार्यकाल में उत्तर बंगाल में कोई विकास नहीं हुआ। उन्होंने कहा, जैसे ही बंगाल में भाजपा की सरकार बनेगी, हम इस क्षेत्र से सभी बांग्लादेशी घुसपैठियों को बाहर कर देंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा राज्य में सत्ता में आने पर गोरखालैंड मुद्दे का संवैधानिक समाधान तलाशेगी और गोरखाओं के लिए न्याय सुनिश्चित करेगी।

शर्मा ने कूचबिहार जिले के दिनहाटा में एक अन्य रैली को संबोधित करते हुए इस बात का जिक्र किया कि तृणमूल कांग्रेस ने उनके खिलाफ निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज कराई है। पार्टी ने उन पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के खिलाफ सांप्रदायिक रंग वाली, भड़काऊ और विभाजनकारी टिप्पणियां करने का आरोप लगाया है।

उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस की इस कार्रवाई से वह डरने वाले नहीं हैं। भाजपा नेता ने तृणमूल कांग्रेस के पूर्व नेता और आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के संस्थापक हुमायूं कबीर द्वारा पश्चिम बंगाल में बाबरी मस्जिद की शैली में मस्जिद बनाने के प्रयास का भी उल्लेख किया और कहा कि अगर असम में ऐसा कोई प्रयास हुआ होता तो वह कड़े कदम उठाते और इसमें शामिल व्यक्ति को जेल भेज देते।

शिवसेना महिला आघाड़ी का जोरदार निषेध आंदोलन

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण में शिवसेना की महिला पदाधिकारियों ने कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। महिला आरक्षण विधेयक पर कांग्रेस के विरोध के बाद शिवसेना महिला आघाड़ी ने जोरदार निषेध आंदोलन किया।

दिल्ली में लोकसभा के भीतर महिला आरक्षण विधेयक पर कांग्रेस के विरोध के बाद कल्याण में शिवसेना की महिला शक्ति सड़कों पर उतरी। शिवसेना मुख्य नेता व उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के आदेश पर, कल्याण लोकसभा सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे और जिलाप्रमुख गोपाळ लांडगे के मार्गदर्शन में कल्याण शहर में कांग्रेस के खिलाफ निषेध आंदोलन किया गया। इस आंदोलन में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

शिवसेना का आरोप है कि लोकसभा में महिलाओं को अधिकार दिलाने वाले महिला आरक्षण विधेयक पर कांग्रेस ने

विरोध में मतदान किया। कांग्रेस के इस विरोध के कारण यह अहम विधेयक नामंजूर हो गया। महिला सशक्तिकरण की बातें करने वाली कांग्रेस का असली चेहरा देश के सामने आ गया है, ऐसा शिवसेना ने कहा।

इस आंदोलन में शिवसेना महिला आघाड़ी की जिलाप्रमुख छाया वाघमारे, कल्याण पूर्व महिला प्रमुख पुष्पा ठाकरे, उप जिलाप्रमुख नीतू कोटक, डॉक्टर कल्पना राणी कपोते, सनम शेख ,वंदना,शोभा पावशे ,भरती ताई ,भरती ताई , पुष्पा आवर , नैना ताई , सुजाता शिंदे ,समेत बड़ी संख्या में महिला पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थीं। महिलाओं ने हाथों में बैनर-पोस्टर लेकर कांग्रेस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

डेविड मिलर की आंधी में उड़ी बेंगलुरु, दिल्ली को रोमांचक मुकाबले में मिली जीत

नई दिल्ली, 18 अप्रैल। डेविड मिलर के आखिरी ओवर में लगाए गए दो छक्कों के दम पर दिल्ली कैपिटल्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को उनके घर में घुसकर हरा दिया है। बेंगलुरु ने मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट के नुकसान पर 175 रन बनाए थे। इस लक्ष्य को दिल्ली ने 19.5 ओवरों में 4 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। इसी के साथ 6 विकेट से जीत दर्ज की।

बेंगलुरु के लिए फिल सॉल्ट ने सबसे अधिक 63 रनों की पारी खेली और इसी वजह से बेंगलुरु 175 के स्कोर तक पहुंच सकी। दिल्ली के लिए कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और लुंगी एनगिडी ने 2-2 विकेट अपने नाम किए। दोनों टीमों के बीच ये मुकाबल काफी रोमांचक रहा और दिल्ली को आखिरी ओवर में जीत के लिए 15 रन चाहिए थे। मिलर ने दो छक्के

लगाए और टीम को जीत दिलाई।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने के लिए उतरी आरसीबी की बल्लेबाजी मैच में पिछले प्रदर्शन को बल्ले से नहीं दोहरा पाए। बेंगलुरु के लिए सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट ऐसे बल्लेबाज रहे, जिन्होंने अर्धशतक लगाया। उनके अलावा अन्य कोई बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। विराट कोहली भी मैच में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके और वे 13 गेंदों पर 19 रन बनाकर आउट हो गए। बेंगलुरु के लिए दूसरे सर्वश्रेष्ठ स्कोरर टिम डेविड रहे, जिन्होंने 26 रन बनाए।

बेंगलुरु ने मुकाबले में 8 विकेट के नुकसान पर 175 रन बनाए। दिल्ली के गेंदबाजों ने कमाल की गेंदबाजी की। अक्षर पटेल और कुलदीप यादव के खिलाफ आरसीबी के बल्लेबाज खुलकर शॉट्स नहीं खेल सके। लुंगी एनगिडी, कुलदीप और अक्षर ने 2-2 विकेट अपने नाम किए। दिल्ली ने आखिरी के ओवरों में कमाल की गेंदबाजी की और रजत पाटीदार की अगुवाई वाली टीम को 175 रनों पर रोक दिया।

बेंगलुरु के द्वारा दिए गए 176 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली की अच्छी शुरूआत नहीं रही। दिग्गज तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने स्विंग से दिल्ली के बल्लेबाजों की नाक में दम कर दिया। उन्होंने पथुम निसंका को 1 रन के स्कोर पर मैदान से बाहर का रास्ता दिखाया। इसके बाद इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर आए करुण नायर को 5 रनों के स्कोर पर पवेलियन भेजा। तो वहीं समीर रिजवी को भी पवेलियन भेजा। इसी के साथ एक समय पर डीसी का स्कोर 19/3 हो गया।

दिल्ली ने शुरूआत में भले ही 3 विकेट गंवा दिए लेकिन ऐसे मुश्किल समय में केएल राहुल टीम के लिए संकटमोचक बनकर आए। उन्होंने पारी को संभालने के साथ ही रनरेट पर कोई असर नहीं पड़ने दिया। राहुल ने पहले 30 गेंदों पर अर्धशतक लगाया और फिर 34 गेंदों पर 57 रन बनाकर आउट हो गए। इस दौरान उनके बल्ले से 6 चौके और 2 छक्के निकले।

बेंगलुरु के लिए जोश हेजलवुड ने 17वें ओवर में कमाल की गेंदबाजी और टीम को मैच में वापस लाने की कोशिश की। उन्होंने मात्र 4 रन खर्चे। इसके अगले ओवर में भुवनेश्वर कुमार गेंदबाजी करने के लिए आए, जिन्होंने नई गेंद के साथ बेहतरीन गेंदबाजी की थी। हालांकि, भुवि के ओवर में स्टब्स ने एक छक्का लगाया और 12 रन बटोरे। उन्होंने 41 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा कर लिया। इसके बाद आखिरी दो ओवरों में दिल्ली को जीत के लिए 25 रनों की दरकार थी। 19वें ओवर में रासिख डार सलाम गेंदबाजी करने के लिए आए और 10 रन दिए। उनके ओवर में पहली गेंद पर एक चौका लगा और उसके बाद कोई बाउंड्री नहीं खाई।

राहुल गांधी को हाईकोर्ट से बड़ी राहत, दोहरी नागरिकता केस में एफआईआर के आदेश पर रोक

इलाहाबाद, 18 अप्रैल। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने शनिवार को कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ कथित दोहरी नागरिकता मामले में एफआईआर दर्ज करने के अपने पूर्व निर्देश पर रोक लगा दी। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, न्यायालय ने यह भी कहा कि आरोपी की सुनवाई के बिना कोई निर्णय नहीं लिया जा सकता। एक दिन पहले, उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने उत्तर प्रदेश पुलिस को कांग्रेस सांसद के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उन्होंने 2003 में इंग्लैंड में एक कंपनी का गठन करते समय ब्रिटिश नागरिकता छिपाई थी।

न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की पीठ ने राज्य सरकार को जांच किसी केंद्रीय एजेंसी को सौंपने की अनुमति भी दी थी। पीठ ने कहा कि आरोपों के प्रथम दृष्टया अध्ययन से संज्ञेय अपराध प्रतीत होते हैं, जिनके लिए विस्तृत जांच आवश्यक है। यह निर्देश उप सॉलिसिटर जनरल द्वारा अदालत के अनुरोध पर प्रासंगिक दस्तावेज प्रस्तुत करने के बाद आया।

योगी सरकार प्रदेशभर के बिजली उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराएगी 34 हजार मेगावॉट बिजली

लखनऊ, 18 अप्रैल। योगी सरकार ने प्रदेशवासियों को भीषण गर्मी में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए तैयारियां पूरी कर ली है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर ऊर्जा विभाग ने इस वर्ष पीक डिमांड को ध्यान में रखते हुए लगभग 34,000 मेगावाट बिजली उपलब्ध कराने की रणनीति बनाई है। इसके लिए सभी नए थर्मल पावर प्लांट यूनिट्स को चालू कर दिया गया है। वहीं, पीक आवर्स में करीब 80 प्रतिशत बिजली की मांग पहले से किए गए एमओयू से पूरी की जाएगी। इसके अलावा अतिरिक्त मांग को बिजली एक्सचेंज के जरिये पूरा किया जाएगा।

यूपीपीसीएल के एमडी पंकज कुमार ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी अप्रैल से सितंर के बीच बिजली की मांग बढ़ेगी। पिछले वर्षों की डिमांड को देखते हुए इस वर्ष जून में पीक डिमांड लगभग 33,375 मेगावाट तक पहुंच सकती है, जो अब तक

के उच्चतम स्तरों में से एक होगी। मई और जुलाई में भी मांग 31 से 32 हजार मेगावाट के बीच रहने की संभावना है। इस बढ़ती मांग को देखते हुए विभाग ने अग्रिम तैयारी करते हुए उत्पादन और आपूर्ति के सभी स्रोतों को सक्रिय कर दिया है।

वहीं पीक डिमांड को ध्यान में रखते हुए लगभग 34,000 मेगावाट बिजली उपलब्ध कराने की रणनीति तैयार कर ली गयी है। उन्होंने बताया कि सभी नए थर्मल पावर प्लांट यूनिट्स को चालू कर दिया गया है। घाटमपुर, खुर्जा, पनकी, ओबरा और जवाहरपुर जैसे प्रमुख परियोजनाओं से उत्पादन शुरू हो चुका है। इन परियोजनाओं के चालू होने से प्रदेश की उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वहीं घाटमपुर की तीसरी यूनिट 30 अप्रैल तक चालू हो जाएगी, जिससे बिजली आपूर्ति को और मजबूती मिलेगी।

एमडी ने बताया कि पीक आवर्स में करीब 80 प्रतिशत बिजली की मांग पहले से किए गए एमओयू (लॉन्ग टर्म टाई-अप) के जरिए पूरी की जाएगी।

अक्षय तृतीया- 19 अप्रैल, 2026

अक्षय तृतीया पर्व है लोक से लोकोत्तर की दिव्य यात्रा

-ललित गर्ग

अक्षय तृतीया महापर्व का न केवल सनातन परम्परा में बल्कि जैन परम्परा में विशेष महत्व है। इसका लौकिक और लोकोत्तर-दोनों ही दृष्टियों में महत्व है। अक्षय शब्द का अर्थ है कभी न खत्म होने वाला। संस्कृत में, अक्षय शब्द का अर्थ है समृद्धि, आशा, खुशी, सफलता, जबकि तृतीया का अर्थ है चंद्रमा का तीसरा चरण। इस त्यौहार के साथ-साथ एक अबूझा मांगलिक एवं शुभ दिन भी है, जब बिना किसी मुहूर्त के विवाह एवं मांगलिक कार्य किये जा सकते हैं। विभिन्न सांस्कृतिक एवं मांगलिक ढांचों में ढले अक्षय तृतीया पर्व में हिन्दू-जैन धर्म, संस्कृति एवं परम्पराओं का अनूठा संगम है। इस प्रकार अक्षय तृतीया पर किए गए कार्यों जैसे जप-तप, यज्ञ, पितृ-तर्पण, दान-पुण्य आदि का साधक को अक्षय फल प्राप्त होता है। भगवान आदिनाथ ने ही सबसे पहले समाज में दान का महत्व समझाया था, इसलिए इस दिन पर जैन धर्म के लोग आहार दान, ज्ञान दान, औषधि दान करते हैं। रास्ते चाहे कितने ही भिन्न हों पर इस पर्व त्यौहार के प्रति सभी जाति, वर्ग, वर्ण, सम्प्रदाय और धर्मों का आदर-भाव अभिन्नता में एकता का प्रिय संदेश दे रहा है। आज के युद्ध, आतंक, आर्थिक प्रतिस्पर्धा एवं अशांति के समय में संयम एवं तप की, भौतिकता एवं आध्यात्मिकता की अक्षय परम्परा को जन-जन की जीवनशैली बनाने की जरूरत है।

अक्षय तृतीया यह केवल एक तिथि नहीं, बल्कि भारतीय चेतना की उस अखंड धारा का प्रतीक है, जो जीवन को क्षणभंगुरता से उठाकर अक्षयता की ओर ले जाती है। अक्षय अर्थात जो कभी क्षीण न हो, जो निरंतर प्रवहमान रहे, ऐसी ही भावना का यह पर्व है, जो हमारे लौकिक व्यवहार से लेकर लोकोत्तर साधना तक, हर स्तर पर गहन अर्थ रखता है। यह दिन केवल शुभारंभ का नहीं, बल्कि आत्मारंभ का भी दिन है। भारतीय परंपरा में अक्षय तृतीया को अबूझ मुहूर्त कहा गया है-अर्थात ऐसा समय, जिसमें किसी विशेष गणना या ज्योतिषीय विचार की आवश्यकता नहीं होती। यह स्वयं ही शुभता का पर्याय है। यही कारण है कि इस दिन विवाह, गृहप्रवेश, व्यापारारंभ जैसे अनेक मांगलिक कार्य बिना किसी संकोच के सम्पन्न किए जाते हैं। यह विश्वास केवल आस्था नहीं, बल्कि उस सांस्कृतिक अनुभव का परिणाम है, जिसने इस दिन को सर्वसिद्धिदायक मान्यता प्रदान की है।

लौकिक दृष्टि से देखें तो अक्षय तृतीया भारतीय अर्थव्यवस्था और श्रम-संस्कृति से गहराई से जुड़ी हुई है। यह दिन किसानों के लिए नई आशा का संदेश लेकर आता है। प्राचीन काल में राजाओं द्वारा श्रेष्ठ किसानों को बीज भेंट करने की परंपरा केवल सम्मान का प्रतीक नहीं थी, बल्कि कृषि को राष्ट्र की आत्मा मानने का सजीव प्रमाण थी। यह विश्वास कि इन बीजों से उत्पन्न अन्न कभी समाप्त नहीं होगा, दरअसल उस श्रम और प्रकृति के समन्वय पर आस्था थी, जो भारतीय जीवन का आधार है। कुम्हारों, शिल्पकारों, पशुपालकों-विशेषकर बैलों के लिए भी यह दिन विशेष महत्व रखता है। यह पर्व हमें यह स्मरण कराता है कि सृजन, श्रम और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता ही समृद्धि का वास्तविक आधार है। किन्तु अक्षय तृतीया का वास्तविक सौंदर्य उसके लोकोत्तर आयाम में प्रकट होता है, जहाँ यह पर्व आत्मशुद्धि, तप और साधना का महापर्व बन जाता है। जैन परंपरा में यह दिन विशेष रूप से पूज्य है, क्योंकि इसका संबंध प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव के जीवन की एक अत्यंत महत्वपूर्ण घटना से जुड़ा हुआ है। यह वह दिन है, जब दीर्घकालीन तपस्या के उपरांत उनका पारणा हुआ, एक ऐसा क्षण, जिसने तप को तृप्ति और साधना को पूर्णता प्रदान की।

कथा के अनुसार, जब भगवान ऋषभदेव ने राजपाट त्यागकर संन्यास धारण किया, तब एक वर्ष से अधिक समय तक उन्हें उचित आहार नहीं मिला। यह केवल भौतिक अभाव नहीं था, बल्कि उस युग की सामाजिक अपरिपक्वता का द्योतक था, जहाँ लोग ह्यअहिंसक आहार और संयमित जीवन की अवधारणा से अनभिज्ञ थे। अंततः हस्तिनापुर में राजकुमार श्रेयांस ने उन्हें इक्षुरस अर्पित कर उनकी तपस्या का पारणा कराया। उस क्षण अहोदानम, अहोदानम की ध्वनि गूंजी, यह केवल एक आह्लाद नहीं, बल्कि उस ऐतिहासिक चेतना का उद्घोष था, जिसने दान, संयम और साधना को एक नई दिशा दी। यही कारण है कि अक्षय तृतीया जैन साधकों के लिए वर्षीतप जैसे महान तप-अनुष्ठानों का पूर्णाहुति दिवस है। एक वर्ष तक एकान्तर उपवास करने वाले साधक इस दिन पारणा करते हैं। यह तप केवल शरीर को कष्ट देने का साधन नहीं, बल्कि आत्मा को निर्मल करने की प्रक्रिया है। यह हमें सिखाता है कि भोग से नहीं, त्याग से जीवन अक्षय बनता है।

अक्षय तृतीया का आध्यात्मिक संदेश अत्यंत गहन है। यह हमें बताता है कि जीवन का वास्तविक उद्देश्य केवल संसाधनों का संचय नहीं, बल्कि आत्मा की शुद्धि है। भारतीय संस्कृति में आत्मा को सर्वोपरि सत्य माना गया है, और उसकी खोज को जीवन की सर्वोच्च साधना। यह पर्व उसी खोज का निमंत्रण है, एक ऐसा निमंत्रण, जो हमें बाह्य जगत से भीतर की यात्रा पर ले जाता है। ऋषभदेव का जीवन इस संदर्भ में अत्यंत प्रेरणादायक है। ऋषभ शब्द का एक अर्थ बैल भी है-जो श्रम, धैर्य और स्थिरता का प्रतीक है और दूसरा अर्थ है तीर्थंकर-जो आत्मोद्धार और लोकमंगल का मार्ग प्रशस्त करता है। इस प्रकार उनका जीवन भौतिक और आध्यात्मिक-दोनों आयामों का अद्भुत समन्वय है। उन्होंने समाज को कृषि, शिल्प, व्यापार जैसी जीवनोपयोगी विधाएं दीं, और साथ ही आत्मा की मुक्ति का मार्ग भी दिखाया। यही समग्रता अक्षय तृतीया के दर्शन में भी झलकती है।

आज के संदर्भ में यह पर्व और भी प्रासंगिक हो उठता है। जब मानव जीवन भौतिक उपलब्धियों की दौड़ में उलझा हुआ है, तब अक्षय तृतीया हमें संतुलन का पाठ पढ़ाती है। यह हमें याद दिलाती है कि केवल भौतिक समृद्धि से जीवन पूर्ण नहीं होता। यदि भीतर शांति नहीं, तो बाहरी वैभव भी निरर्थक है। और यदि भीतर संतोष है, तो सीमित साधनों में भी जीवन अक्षय बन सकता है। यह पर्व हमें यह भी सिखाता है कि साधना केवल मठों और आश्रमों तक सीमित नहीं है। यह जीवन की प्रत्येक क्रिया में संभव है, यदि उसमें सजगता, संयम और समर्पण का भाव हो। एक किसान जब श्रद्धा से बीज बोता है, एक कुम्हार जब मिट्टी को आकार देता है, एक गृहस्थ जब ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का पालन करता हैकृतब वह भी एक प्रकार की साधना ही कर रहा होता है।

अक्षय तृतीया का सांस्कृतिक महत्व भी अत्यंत व्यापक है। यह पर्व भारतीय जीवन की उस समन्वयकारी दृष्टि का प्रतीक है, जिसमें भौतिकता और आध्यात्मिकता विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। यहाँ अन्न का भी सम्मान है और आत्मा का भी। यहाँ श्रम का भी महत्व है और ध्यान का भी। यही संतुलन भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता है। व्यक्तिगत स्तर पर यह दिन आत्ममंथन का अवसर प्रदान करता है। यह हमें प्रेरित करता है कि हम अपने जीवन में झांकें, क्या हमारा जीवन केवल उपभोग में व्यतीत हो रहा है, या उसमें कोई उच्च उद्देश्य भी है? क्या हम केवल संग्रह कर रहे हैं, या कुछ त्याग भी कर पा रहे हैं? क्या हम केवल बाहर की दुनिया को संवार रहे हैं, या भीतर की दुनिया को भी प्रकाशित कर रहे हैं?

अक्षय तृतीया हमें यह संदेश देती है कि यदि हम अपने जीवन में तप, संयम और सेवा को स्थान दें, तो हमारा जीवन भी अक्षय बन सकता है। यह अक्षयता केवल धन या वस्तुओं की नहीं, बल्कि पुण्य, शांति और आत्मिक संतोष की होती है, जो कभी समाप्त नहीं होती। आज आवश्यकता है कि हम इस पर्व को केवल औपचारिकता तक सीमित न रखें, बल्कि इसके गूढ़ संदेश को अपने जीवन में उतारें। यदि इस दिन हम एक संकल्प लें, संयम का, सेवा का, साधना का, तो यह दिन वास्तव में हमारे जीवन में परिवर्तन का सूत्रधार बन सकता है। अंततः अक्षय तृतीया एक ऐसी पावन गंगा है, जिसमें तप की धारा, संस्कृति की सुवास, श्रम की गरिमा और आत्मा की पवित्रताकृंसस एक साथ प्रवाहित होती हैं। जो इस धारा में स्नान करता है, वह केवल बाह्य रूप से नहीं, बल्कि भीतर से भी निर्मल हो जाता है। यही इस पर्व की सर्वोच्च उपलब्धि है, और यही इसका सनातन संदेश कि जीवन को अक्षय बनाना है, तो उसे तप, त्याग और आत्मबोध से आलोकित करना होगा।

महिलाओं को आरक्षण के पहले रक्षण जरुरी, सरकार ध्यान दें

अशोक भाटिया

महिलाओं को आरक्षण के पहले रक्षण (सुरक्षा) की आवश्यकता का मुद्दा अत्यंत महत्वपूर्ण है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम (2023) के तहत लोकसभा और विधानसभाओं में 33% आरक्षण का प्रावधान किया गया है, लेकिन जमीनी हकीकत में महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तीकरण को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। कई राजनीतिक दलों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का मानना है कि केवल आरक्षण देने से महिलाओं का जीवन नहीं बदलेगा। जब तक समाज में महिलाओं के खिलाफ अपराध (रक्षण) कम नहीं होंगे, तब तक आरक्षण का वास्तविक लाभ हाशिए पर खड़ी महिलाओं तक नहीं पहुंचेगा।

गौरतलब है कि नासिक का टीसीएस का मामला अब एक साधारण कॉर्पोरेट विवाद से निकलकर राष्ट्रीय चर्चा का विषय बन चुका है। यौन उत्पीड़न के आरोप, धर्मांतरण का आरोप, कॉर्पोरेट जिहाद की बहस, मुख्य आरोपी निदा खान का फरार होना, उसकी अग्रिम जमानत की अर्जी, और अब एनआईए की एंट्री। इन सबने इस केस को बेहद पेचीदा बना दिया है। सोशल मीडिया से लेकर सियासी गलियारों तक इस पर बहस तेज है। शुरूआती दिनों में जहां कई तरह की अपुष्ट खबरें सामने आईं वहीं अब खुद टीसीएस के सीईओ के। कृतिवासन ने सामने आकर कई बड़े दावों को खारिज किया है। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि निदा खान न तो एचआर मैनेजर हैं और न ही भर्ती से जुड़ी कोई जिम्मेदारी निभाती थीं। साथ ही डेलॉयट और ट्राइलीगल जैसी बाहरी एजेंसियों को जांच में शामिल कर यह संकेत दिया गया है कि मामला बेहद गंभीर है और हर स्तर पर सच्चाई सामने लाने की कोशिश हो रही है।

इस पूरे घटनाक्रम में सबसे बड़ा मोड़ तब आया जब राष्ट्रीय जांच एजेंसी यानी ठक्अ ने भी इस मामले में रुचि दिखाई। नासिक पुलिस ने धर्म परिवर्तन और वित्तीय लेन-देन से जुड़े अहम दस्तावेज ठक्अ को सौंप दिए हैं। वहीं राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी एक विशेष जांच समिति गठित कर दी है। ऐसे में अब यह केस केवल कंपनी के दायरे तक सीमित नहीं रहा, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक संवेदनशीलता से भी जुड़ गया है। सवाल यह है कि आखिर इस पूरे गंदे खेल के पीछे सच्चाई क्या है और जांच एजेंसियां क्या खुलासा करती हैं।

नासिक टीसीएस धर्मांतरण कांड पर और भी खुलासे होते जा रहे है। टीसीएस नासिक कांड की मास्टरमाइंड मानी जा रही निदा खान ने जेल जाने से बचने के लिए नया दांव खेला है। पहले कहा गया कि निदा खान कंपनी की एचआर है। मगर परिवार का दावा है कि वह कंपनी की एचआर हेड नहीं है। वह कंपनी में एक टेलीकॉलर थी। बहरहाल, उस पर आईटी की दिग्गज कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS) की नासिक यूनिट में जबरदस्ती धर्म परिवर्तन करवाने का आरोप है। उसके परिवार वालों का कहना है कि निदा खान प्रेग्नेंट है और मुंबई में हैं।आरोपी निदा खान अभी टीसीएस के नासिक यूनिट में कथित धर्मांतरण मामले में फरार चल रही है। सूत्रों का कहना है कि आरोपी निदा खान ने अग्रिम जमानत के लिए स्थानीय अदालत में अर्जी दाखिल कर दी है। सूत्रों के मुताबिक, निदा खान अपनी गर्भावस्था को मुख्य आधार बनाकर अग्रिम जमानत की मांग करेगी।

सूत्रों के मुताबिक, 26 वर्षीय निदा खान ने पिछले साल जनवरी में शादी के बाद मुंबई शिफ्ट किया था। उसने कंपनी के मुंबई ब्रांच में ट्रांसफर लिया था। निदा खान गर्भावस्था के शुरूआती चरण में है। उसे अग्रिम जमानत के लिए मुख्य तर्क के रूप में पेश किया जाएगा। वहीं, अभियोजन पक्ष जमानत का विरोध कर सकता है। उनका कहना है कि निदा खान इस मामले की मास्टरमाइंड हैं, जिन्होंने पीड़ितों को धार्मिक गतिविधियों के लिए मजबूर किया।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कोलकाता में मीडिया से बात करते हुए मामले को गंभीर बताया। उन्होंने कहा, नासिक टीसीएस की घटना बहुत गंभीर है। यह एक मॉड्यूल लग रहा है, जिसकी गहरी जड़ों तक जांच चल रही है। जहां जरूरी लग रही है, वहां केंद्रीय एजेंसियों की मदद ली जा रही है। टीसीएस ने इस घटना की गंभीरता को समझा है और इसे निंदनीय बताया है। कंपनी पूरी तरह सहयोग कर रही है और जरूरी कदम उठा रही है।

पुलिस के अनुसार, सभी आरोपियों में से केवल टीसीएस कर्मचारी निदा खान ही अभी गिरफ्तार नहीं हुई है। उसके वकील बाबा सय्यद ने कहा कि वे जल्द ही उसकी ओर से अग्रिम जमानत की अर्जी दाखिल करेंगे। वकील ने दावा किया कि निदा खान मीडिया ट्रायल की शिकार है। उन्होंने बताया कि निदा खान गर्भवती है, इसलिए परिवार उसके स्वास्थ्य को लेकर चिंतित है।

बताया जाता है कि इस मामले में कुल 9 एफआईआर दर्ज हुई हैं। इनमें से 8 एफआईआर में यौन उत्पीड़न (Section 75 BNS) के आरोप हैं।5 एफआईआर में धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने (Section 299 BNS) के आरोप हैं। कम से कम 3 मामलों में शिकायतकर्ताओं ने दावा किया है कि उन्होंने पहले कंपनी में शिकायत की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस मामले के आरोपियों में से 5 दानिश शेख, निदा खान, शफी शेख, शाहरुख कुरैशी और आसिफ अंसारी टीसीएस नासिक ब्रांच के एसोसिएट थे। रजा मेमन और तौसिफ अत्तार को शिकायतकर्ताओं ने टीम लीडर बताया है। वहीं पुणे स्थित ऑपरेशंस मैनेजर अश्विनी चैनानी एकमात्र सीनियर कर्मचारी हैं, जिन पर आरोपियों की मदद करने (Section 75 BNS) का आरोप है। आरोप है कि शिकायतें मिलने के बावजूद उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की, जिससे आरोपी और हिम्मतवर हुए।

अन्य FIRs में भी कई चौंकाने वाले आरोप सामने आए हैं, जिनमें महिला कर्मचारियों के साथ छेड़छाड़, अश्लील इशारे करना, आपत्तिजनक टिप्पणियां करना और पुरुष कर्मचारियों पर धार्मिक दबाव बनाना शामिल है। एक शिकायत में आरोप है कि एक कर्मचारी को जबरन नमाज पढ़ने और बीफ खाने के लिए मजबूर किया गया, जबकि वह सख्त शाकाहारी था। कुछ मामलों में धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने और निजी जीवन से जुड़े अनुचित सवाल पूछने के आरोप भी लगे हैं।

कई शिकायतकर्ताओं ने यह भी आरोप लगाया है कि उन्होंने कंपनी के अंदर शिकायत करने की कोशिश की, लेकिन या तो उन्हें नजरअंदाज किया गया या कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। एक FIR में दावा किया गया है कि ऑपरेशंस हेड ने शिकायत को टालते हुए कहा कि स्पॉटलाइट में क्यों आना चाहती हो, इसे छोड़ दो। कुछ मामलों में डर, नौकरी खोने की आशंका और आरोपियों के प्रभाव के कारण भी शिकायत नहीं की गई।

मुख्य आरोपियों की भूमिका भी कोई कम नहीं है । उनमें क्रमवार दानिश शेखः पहली एफआईआर (156) में मुख्य आरोपी। महिला से दोस्ती के नाम पर शारीरिक संबंध बनाने और शादी का झांसा देने का आरोप। बाद में उसकी पत्नी ने फोन कर दो बच्चों की जानकारी दी।तौसीफ अत्तारः 6 एफआईआर में नाम। यौन उत्पीड़न, धार्मिक धमकी, गैर-शाकाहारी खाना जबरन खिलाने और हिंदू देवी-देवताओं का अपमान करने के आरोप।रजा मेमनः 5 एफआईआर में नाम। महिला सहकर्मियों के साथ अश्लील व्यवहार, साड़ी का पल्लू खींचना और व्यक्तिगत जीवन में दखल देने के आरोप। निदा खानः केवल एक एफआईआर में नाम। हिंदू देवता का अपमान करने का आरोप।

इस बीच, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने अपने बयान में कहा है कि कंपनी में POSH कमेटी मौजूद है और इस मामले में पहले कोई लिखित शिकायत नहीं मिली थी। कंपनी ने आंतरिक जांच शुरू कर दी है और इसके लिए के। कृतिवासन के नेतृत्व में बाहरी विशेषज्ञों को भी शामिल किया गया है।टीसीएस के सीईओ और एमडी के। कृष्णिवासन ने शुक्रवार को बयान जारी कर कहा कि कंपनी ने डेलॉइट और प्रॉमिनेंट लॉ फर्म ट्राइलिगल की सेवाएं ली हैं। आंतरिक जांच की निगरानी के लिए स्वतंत्र निदेशक केकी मिस्त्री की अध्यक्षता में ओवरसाइट कमिटी बनाई गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि निदा खान एचआर मैनेजर नहीं थी, बल्कि प्रोसेस एसोसिएट थी और भर्ती या नेतृत्व की कोई जिम्मेदारी उसके पास नहीं थी। कंपनी ने यह भी कहा कि नासिक यूनिट पूरी तरह चालू है और बंद होने की खबरें गलत हैं।

यह मामला नासिक पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ है। पुलिस अब पूरे मॉड्यूल की गहराई तक जांच कर रही है और केंद्रीय एजेंसियों की मदद ले रही है। टीसीएस भी अपनी आंतरिक जांच तेज कर रही है। मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग बढ़ रही है, खासकर जब इसमें यौन उत्पीड़न, धार्मिक भावनाएं और SC-ST अत्याचार जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं।

वे अक्सर कहते थे, जाओ हिंदू लड़कियों को अपनी प्रेमिका बनाओ और उनसे निकाह करोह्न अपना धर्म बदलो और केवल अपने मजहब की बातें करो। देश की सबसे बड़ी आईटी दिग्गज कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS) के नासिक ऑफिस से निकले इन अल्फाजों ने न केवल कॉर्पोरेट गलियारों को सुन्न कर दिया है बल्कि एक गहरी साजिश की ओर भी इशारा किया है। एक कांट्रेक्चुअल एम्प्लॉय ने एनडीटीवी से बातचीत करते हुए इस बात का खुलासा किया। बताया गया कि यौन शोषण और जबरन धर्मांतरण का ये काला खेल साल 2021 से चल रहा था।

आरोप है कि यह सब सिर्फ बातों तक सीमित नहीं था बल्कि इसके लिए बकायदा फंडिंग की जा रही थी। चश्मदीद के मुताबिक, एचआर मैडम को भी इसके लिए फंड मिलता था। यह मामला तब और भी संगीन हो जाता है जब शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया कि महिला एचआर मैनेजर जिन्हें लेडी कैप्टन कहा जाता था, पहले लड़कियों से दोस्ती करती थीं, उन्हें सहज महसूस कराती थीं और फिर धीरे-धीरे उन्हें हिजाब पहनने और नमाज पढ़ने की ट्रेनिंग देने लगती थीं। जो लड़कियां विरोध करती थीं उन्हें नौकरी से निकालने की धमकी दी जाती थी। टाटा संस के चेयरमैन एन। चंद्रशेखरन ने इस पूरे घटनाक्रम को अत्यधिक पीड़ादायक बताते हुए आंतरिक जांच के आदेश दिए हैं लेकिन बंद कमरों के पीछे हुई इस साजिश ने वर्कप्लेस कल्चर पर कई अनसुलझे सवाल छोड़ दिए हैं।

हालफिलहाल आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS) ने अपने नासिक यूनिट में संचालन अस्थायी रूप से सस्पेंड कर दिया है। कंपनी ने कर्मचारियों को निर्देश दिया है कि वे कैंपस में रिपोर्ट न करें। सभी कर्मचारियों को अगले आदेश तक वर्क फ्रॉम होम दे दिया गया है। इसके साथ ही नासिक यूनिट में नई भर्तियां भी रोक दी गई हैं। सूत्रों के अनुसार पुलिस जांच पूरी होने तक भर्ती प्रक्रिया पर रोक लगाई गई है। यह फैसला टीसीएस के इस बीपीओ यूनिट में लगे गंभीर आरोपों के बाद लिया गया है। आरोपों में यौन उत्पीड़न, जबरन धार्मिक रूपांतरण और महिला कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार शामिल है।पुलिस ने 40 दिनों तक अंडरकवर ऑपरेशन चलाया, जिसमें सात महिला पुलिस अधिकारी कर्मचारियों के रूप में काम करती रहीं। इस दौरान कई ऋक्षक्र दर्ज की गईं, जिनकी संख्या नौ तक पहुंच गई। अब तक इस मामले में सात कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें एक एचआर मैनेजर भी शामिल है। टीसीएस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपियों को सस्पेंड कर दिया है। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि टीसीएस की लंबे समय से यौन उत्पीड़न के प्रति जीरो टॉलरेंस पॉलिसी है। जैसे ही हमें इस मामले की जानकारी हुई, हमने त्वरित कदम उठाए। जांच के दायरे में आने वाले कर्मचारियों को पूछताछ पूरी होने तक सस्पेंड कर दिया गया है। हम स्थानीय पुलिस के साथ पूर्ण सहयोग कर रहे हैं और जांच के निष्कर्ष के आधार पर आगे की कार्रवाई करेंगे।

चार एम तय करेंगे बंगाल का भविष्य : मोदी, ममता, महिला और मुस्लिम का खेल

-सुरेश गांधी

पश्चिम बंगाल में 2026 का विधानसभा चुनाव अब अपने चरम पर है और मुकाबला पूरी तरह दो ध्रुवों, बीजेपी और टीएमसी, के बीच सिमट चुका है। 23 और 29 अप्रैल को होने वाले मतदान से पहले राज्य की राजनीति एम फैक्टर के इर्द-गिर्द घूम रही है, मोदी, ममता, महिला और मुस्लिम वोट। एक ओर भाजपा मोदी के करिश्मे, विकास और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सत्ता परिवर्तन की जमीन तैयार कर रही है, तो दूसरी ओर ममता बनर्जी दीदी की छवि, कल्याणकारी योजनाओं और बंगाली अस्मिता के सहारे चौथी बार सत्ता में वापसी का दावा कर रही हैं। मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर उठा विवाद और भ्रष्टाचार के आरोप इस चुनाव को और पेचीदा बना रहे हैं। या यूं कहे पश्चिम बंगाल की यह चुनावी जंग सत्ता, संघर्ष और स्वाभिमान का संगम है। दीदी के सामने अपनी विरासत बचाने की चुनौती है, तो भाजपा के सामने इतिहास रचने का अवसर। जनता के मन में सवाल गूंज रहा है, क्या बंगाल पुराने भरोसे को चुनेगा, या नए विकल्प को अपनाएगा? फैसला जो भी हो, यह चुनाव आने वाले वर्षों की राजनीति की दिशा तय करेगा। मतलब साफ है, ग्रामीण और महिला वोट टीएमसी के साथ, जबकि शहरी और युवा वर्ग में भाजपा का असर बढ़ रहा है। अब नजर 4 मई पर है, जब यह तय होगा कि बंगाल अनुभव पर भरोसा करता है या बदलाव की राह चुनता है

फिरहाल, पश्चिम बंगाल की धरती एक बार फिर राजनीतिक उफान पर है। 2026 का विधानसभा चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का साधारण लोकतांत्रिक अभ्यास नहीं, बल्कि विचारधाराओं, अस्मिता, कल्याण और विकास के बीच निर्णायक संघर्ष का रूप ले चुका है। यह चुनाव किसी के लिए सत्ता बचाने की लड़ाई है, तो किसी के लिए इतिहास रचने का अवसर, और कुछ के लिए अस्तित्व बचाने की आखिरी जद्दोजहद। 23 और 29 अप्रैल को दो चरणों में होने वाले मतदान और 4 मई को आने वाले परिणामों से पहले राज्य की राजनीति जिस तरह करवट ले रही है, उसने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। इस बार का चुनाव एक नए एम के इर्द-गिर्द घूम रहा है - एम फार मोदी, एम फार ममता, एम फार महिलाएं, एम फार मुस्लिम. यही चार स्तंभ इस चुनावी समर की दिशा तय कर रहे हैं। मतलब साफ है पश्चिम बंगाल में इस बार चुनावी लड़ाई लगभग दो ध्रुवों में सिमट गई है। एक ओर बीजेपी है, जो लगातार तीसरे कार्यकाल के बाद चौथी बार सत्ता में लौटने का प्रयास कर रही है। दूसरी ओर टीएमसी है, जो अब केवल विपक्ष नहीं, बल्कि सशक्त विकल्प बनकर उभरी है। कांग्रेस और वाम दल इस बार भी मैदान में हैं, लेकिन उनकी स्थिति हाशिए पर सिमटती दिख रही है। दार्जिलिंग की पहाड़ी सीटों पर इंडियन गोरखा प्रजातांत्रिक मोर्चा (बीजीपीएम) टीएमसी के सहयोगी के रूप में चुनाव लड़ रही है, जिससे क्षेत्रीय समीकरण और दिलचस्प हो गए हैं। यह द्विध्रुवीय संघर्ष चुनाव को और अधिक तीखा और निर्णायक बना देता है।

एम फैक्टर

चुनावी गणित का नया सूत्र, मोदी फैक्टर : राष्ट्रीय करिश्मा बनाम क्षेत्रीय जड़ें. नरेन्द्र मोदी भाजपा का सबसे बड़ा चेहरा हैं। उनकी रैलियां, आक्रामक प्रचार और डबल इंजन सरकार का वादा भाजपा की रणनीति का केंद्र हैं। भाजपा का मानना है कि मोदी का राष्ट्रीय करिश्मा बंगाल की क्षेत्रीय राजनीति को चुनौती दे सकता है। ममता फैक्टर : ह्यदीदीह्न की पहचान और जनविश्वास. ममता बनर्जी इस चुनाव की आत्मा हैं। 2011 में वामपंथी शासन को समाप्त कर सत्ता में आईं ममता बनर्जी ने खुद को केवल एक नेता नहीं, बल्कि दीदी के रूप में स्थापित किया है। उनकी राजनीति भावनात्मक जुड़ाव, जनसंपर्क और संघर्षशील छवि पर आधारित है। महिला फैक्टर : कल्याणकारी राजनीति की ताकत, यानी महिला मतदाता इस चुनाव की सबसे बड़ी निर्णायक शक्ति बनकर उभरी हैं। लक्ष्मी भंडार, कन्याश्री, स्वास्थ्य साथी. इन योजनाओं ने महिलाओं के बीच टीएमसी का मजबूत आधार तैयार किया है। मुस्लिम फैक्टर : चुनावी संतुलन का केंद्र यानी बंगाल में मुस्लिम वोट बैंक पारंपरिक रूप से टीएमसी के साथ रहा है, लेकिन इस बार कुछ इलाकों में बिखराव की आशंका भी जताई जा रही है। यहीं पर छोटे दल और नए चेहरे चुनाव को दिलचस्प बना रहे हैं। और यही फैक्टर चुनावी परिणाम को निर्णायक रूप से प्रभावित कर सकता है.

एसआईआर विवाद : चुनाव का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट

इस बार का चुनाव एक अप्रत्याशित मुद्दे से प्रभावित हुआ है - मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में मतदाताओं की संख्या 7.66 करोड़ से घटकर 7.04 करोड़ हो गयी है. यानी 62 लाख से अधिक नाम हटाए गए, 60 लाख नाम अभी जांच के दायरे में, टीएमसी इसे लोकतंत्र पर हमला बता रही है, जबकि भाजपा इसे अवैध वोटरों की सफाई कह रही है। यह मुद्दा इतना बड़ा बन चुका है कि रोटी, कपड़ा और मकान जैसे मुद्दे पीछे छूट गए हैं।

भ्रष्टाचार और कानून व्यवस्था : सरकार पर सवाल

पिछले कुछ वर्षों में टीएमसी सरकार पर कई गंभीर आरोप लगे हैं : शिक्षक भर्ती घोटाला, राशन घोटाला, नेताओं और मंत्रियों की गिरफ्तारी. इसके साथ ही महिला सुरक्षा के मुद्दे पर भी सरकार घिरी रही है। कोलकाता की चर्चित घटनाओं ने राज्य सरकार की छवि को झटका दिया है।

भाजपा का उभार : संघर्ष से संभावना तक

2016 में केवल 3 सीटों तक सीमित भाजपा ने 2021 में 77 सीटें जीतकर बड़ा उछाल दिखाया। नॉर्थ बंगाल और सीमावर्ती क्षेत्रों में पकड़. युवा और शहरी वोटरों में बढ़त. अब 2026 में वह सत्ता के करीब पहुंचने का दावा कर रही है। भाजपा की रणनीति : मोदी का चेहरा, अमित शाह की रणनीति, बूथ स्तर तक संगठन, घुसपैठ और भ्रष्टाचार के मुद्दे.

टीएमसी की रणनीति : एंटी-इंकम्बेंसी से मुकाबला

तीन कार्यकाल की सत्ता के बाद टीएमसीएंटी-इंकम्बेंसी का सामना कर रही है। इससे निपटने के लिए : 74 विधायकों के टिकट काटे, नए चेहरों को मौका दिया, संगठन को पुनर्गठित किया. प्रमुख चेहरे : चुनाव के असली खिलाड़ी. अभिषेक बनर्जी : ममता के उत्तराधिकारी के रूप में देखे जाते हैं. संगठन और प्रचार के मुख्य स्तंभ : सुवेन्दु अधिकारी, नंदीग्राम में ममता को हराने वाले नेता. इस बार भवानीपुर में सीधी चुनौती.

पिछले चुनाव से सबक : 2021 का संकेत

2021 के चुनाव में : टीएमसी ने 215 सीटें (48 फीसदी वोट शेयर) के साथ शानदार जीत दर्ज की. बीजेपी को 77 सीटें (38 फीसदी वोट शेयर) मिले. हालांकि एग्जिट पोल में कांटे की टक्कर दिखाई गई थी, लेकिन नतीजे अलग निकले। यही वजह है कि इस बार भी ओपिनियन पोल पर पूरी तरह भरोसा करना जोखिम भरा है।

कहां किसका पलड़ा भारी?

टीएमसी : ग्रामीण क्षेत्र, महिला और मुस्लिम वोट, संगठन. बीजेपी : शहरी और युवा वोट, सीमावर्ती इलाके, उत्तर बंगाल. मुकाबला बेहद करीबी, लेकिन हल्की बढ़त टीएमसी के पास। सीधे तौर पर कहा जाए तो अभी भाजपा पूरी तरह आगे नहीं है, लेकिन उसकी स्थिति पहले से कहीं ज्यादा मजबूत है। भाजपा ने इस बार अपनी रणनीति में बड़ा बदलाव किया है। केवल बड़े नेताओं की रैलियों तक सीमित रहने के बजाय पार्टी ने बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया है। अमित शाह की माइक्रो मैनेजमेंट रणनीति और लगातार जमीनी संपर्क ने कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भरी है। भाजपा के मजबूत होते आधार के कारण : नॉर्थ बंगाल और सीमावर्ती इलाकों में पकड़ मजबूत, आदिवासी और पिछड़े वर्गों में बढ़ता प्रभाव, शहरी और युवा मतदाताओं का झुकाव. ग्रामीण इलाकों में आज भी टीएमसी की मजबूत पकड़ है। सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ लोगों तक पहुंचा है, जिसका असर वोट पर दिखता है। यह क्षेत्र ममता के लिए सबसे बड़ा सुरक्षा कवच बना हुआ है।

मोदी का मौका और दीदी का चौका

मतलब साफ है यह चुनाव केवल सरकार बदलने का सवाल नहीं है। यह बंगाल की राजनीतिक आत्मा की परीक्षा है। ऐसे में बड़ा सवाल तो यही है क्या क्षेत्रीय पहचान राष्ट्रीय राजनीति के सामने टिकेगी? क्या विकास का वादा भावनात्मक जुड़ाव को हरा पाएगा? फैसला किसके पक्ष में? ममता बनर्जी अभी भी सबसे मजबूत खिलाड़ी, भाजपा पहली बार वास्तविक चुनौती. ऐसे में कहा जा सकता है पश्चिम बंगाल का यह महासंग्राम अब अपने चरम पर है। ह्यमोदी का मौकाह्न और ह्यदीदी का चौकाह्न, इन्हीं दो नारों के बीच बंगाल की जनता अपने भविष्य का फैसला करने जा रही है। यह केवल सत्ता की लड़ाई नहीं, बल्कि विश्वास और बदलाव की टक्कर है। अब देखना यह है कि जनता अनुभव को चुनती है या परिवर्तन की राह अपनाती है। 4 मई को आने वाला फैसला केवल सरकार नहीं, बल्कि बंगाल की दिशा तय करेगा।

भारत में स्टार्टअप इक्विस्टम का विकास

-विक्रम दयाल

भारत मैं उद्यमिता और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक कारकों पर प्रकाश डालता है। इसमें शामिल हैंः- सरकार की नीतियाँ और समर्थन। वित्तीय सहायता और निवेश। शिक्षा और प्रशिक्षण। नवाचार और अनुसंधान। उद्यमियों के लिए संसाधन और नेटवर्क। यह विषय भारत में उद्यमिता और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एक मजबूत परिस्थितिकी तंत्र बनाने को महत्व पर जोर देता है। आइये हम यहां जानते हैं कि कैसे भारत में उद्यमिता का वातावरण और नवाचार परिस्थितिकी विकसित हो रही है। जिसमें कई पहलू शामिल हैं। यहाँ हम हर पहलू को उद्धृत करते हैं। सरकार की नीतियाँ और समर्थनः भारत सरकार उद्यमिता और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए कई नीतियाँ और कार्यक्रम चला रही है, जैसे कि स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया इत्यादि । ये नीतियाँ उद्यमियों को समर्थन और प्रोत्साहन प्रदान करती हैं। वित्तिय सहायता और निवेशः उद्यमिता के लिए वित्तीय सहायता और निवेश बहुत महत्वपूर्ण है । भारत में कई वेंचर कैपिटल फंड, एंजेल इनवेस्टर और सरकारी योजनायें है जो उद्यमियों को वित्तीय सहायता प्रदान करती हैं। शिक्षा और प्रशिक्षणः उद्यमिता के लिए शिक्षा और प्रशिक्षण बहुत ही महत्त्वपूर्ण है। भारत में कई बिजनेस स्कूल, उद्यमिता संस्थान और आनलाइन प्लेटफॉर्म हैं जो उद्यमियों को शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। नवाचार और अनुसंधानः नवाचार और अनुसंधान उद्यमिता के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। भारत में कई अनुसंधान संस्थान, विश्वविद्यालय और स्टार्टअप हैं जो नवाचार और अनुसंधान पर काम कर रहे हैं। उद्यमियों के लिए संसाधन और नेटवर्कः उद्यमियों के लिए संसाधन और नेटवर्क बहुत महत्वपूर्ण है। भारत में कई को-वर्किंग स्पेस, इनक्यूबेटर और एक्सीलरेटर हैं जो उद्यमियों को संसाधन और नेटवर्क प्रदान करते हैं। बाजार और ग्राहकः उद्यमिता के लिए बाजार और ग्राहक बहुत महत्वपूर्ण है । भारत में एक बड़ा और बढ़ता हुआ बाजार है, जो उद्यमी इस बाजार में अपनी सेवायें और उत्पाद प्रदान कर सकते हैं। उद्यमिता की संस्कृतिः उद्यमिता की संस्कृति एक महत्वपूर्ण पहलू है, जो उद्यमियों को प्रेरित करती है और उन्हें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करती है। भारत में उद्यमिता की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए कई कार्यक्रम और आयोजन किये जाते हैं। सरकारी और गैर-सरकारी समर्थनः सरकारी और गैरसरकारी समर्थन उद्यमिता के लिए बहुत महत्वपूर्ण है । भारत में कई सरकारी और गैर-सरकारी संगठन हैं जो उद्यमियों को समर्थन और संसाधन प्रदान करते हैं। नवाचार और तकनीकी विकासःनवाचार और तकनीकी विकास उद्यमिता के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।भारत में कई नवाचार और तकनीकी विकास केंद्र हैं जो उद्यमियों को नवीनतम तकनीकी और संसाधन प्रदान करते हैं। बाजार की मांगः बाजार की मांग उद्यमिता के लिए बहुत महत्वपूर्ण है । भारत में एक बड़ा और बढ़ता हुआ बाजार है, और उद्यमी इस बाजार में अपनी सेवायें और उत्पाद प्रदान कर सकते हैं। उद्यमियों के लिए नेटवकिंर्गः उद्यमियों के लिए नेटवर्किंग बहुत महत्वपूर्ण है ।भारत में कई नेटवकिंग कार्यक्रम आयोजन किये जाते हैं, जो उद्यमियों को एक दूसरे से जुड़ने और अपने अनुभव साझा करने का अवसर प्रदान करते हैं। उद्यमिता के लिए संसाधनः उद्यमिता के लिए संसाधन बहुत महत्वपूर्ण है । भारत में कई संसाधन उपलब्ध हैं जो उद्यमियों को अपने व्यवसाय को शुरू करने और आगे बढ़ाने में मदद करते हैं। इन्ही पहलुओं से उद्यमिता का वातावरण या नवाचार परिस्थितिकी को बनाते हैं।

अखिल भारतीय कान्यकुब्ज ब्राह्मण महासभा एवं कान्यकुब्ज ब्राह्मण समिति के पदाधिकारियों ने राज्यपाल शिवप्रताप शुक्ल से भेंट की

मुंबई (उत्तरशक्ति)। अखिल भारतीय कान्यकुब्ज ब्राह्मण महासभा (रजिट्ठ) एवं कान्यकुब्ज ब्राह्मण समिति हैदराबाद के पदाधिकारिगणों का प्रतिनिधि मंडल आज लोक भवन हैदराबाद में महामहिम राज्यपाल माननीय श्री शिव प्रताप शुक्ल से भेंटकर ब्राह्मण समाज की समस्याओं पर चर्चा की। इस दौरान कान्यकुब्ज ब्राह्मण महासभा एवं कान्यकुब्ज ब्राह्मण समिति के पदाधिकारियों द्वारा महामहिम राज्यपाल को आगामी २४/२५ अक्टुबर २०२६ को हैदराबाद में होनेवाले राष्ट्रीय सर्व ब्राह्मण सम्मलेन के लिए बतौर प्रमुख अतिथि के लिए आमंत्रित किया गया।बता दें कि अखिल भारतीय कान्यकुब्ज ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय अ . शुक्ला के नेतृत्व में संपूर्ण ब्राह्मण समाज के उत्थान के लिए महासभा पूरे देश में रचनात्मक कार्य कर रही है।ब्राह्मण समाज के लड़के और लड़कियों की शादी ब्याह के लिए भी महासभा निरंतर तत्पर रहती है। इसके अलावा अखिल भारतीय कान्यकुब्ज ब्राह्मण महासभा पूरे देश में ब्राह्मण समाज को एकजुट करने में सदैव प्रयासरत है। इस दौरान महामहिम राज्यपाल से मिलने गए प्रतिनिधि मंडल में प्रमुख रूप से अनिल कुमार बाजपेई, विनय तिवारी,अजय अ. शुक्ल ,अरुण शुक्ल, महेश मिश्रा, एड. अशोक तिवारी,आकांक्षा बाजपेई,राजेश अग्निहोत्री, अर्चित मिश्रा शामिल थे।

बोईसर चा एकदंत द्वारा भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर भव्य शोभा यात्रा का आयोजन आज

पालघर (उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत स्थित भीमनगर में भगवान परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में 19 अप्रैल 2026 को भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। आयोजकों के अनुसार, यह शोभा यात्रा भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम जी की जन्मोत्सव के अवसर पर निकाली जा रही है। कार्यक्रम की शुरूआत दोपहर 3 बजे भीमनगर से होगी, जहां से शोभा यात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए यशवंत सृष्टि तक पहुंचेगी। कार्यक्रम के दौरान भगवान परशुराम जी की झांकी, श्री खाटूश्याम जी की भव्य शाही सवारी, पारंपरिक ढोल-ताशा पथक, लाइव भजन संध्या व विभिन्न धार्मिक प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। आयोजकों ने बताया कि इस शोभा यात्रा का उद्देश्य समाज में धर्म, सेवा और संस्कारों का प्रचार-प्रसार करना है। शोभायात्रा आयोजन समिति ने सभी क्षेत्रवासियों से बड़ी संख्या में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

महिला आरक्षण को रोककर विपक्ष ने नारियों के प्रति व्यक्ति की अपनी दोहरी मानसिकता : सीमा सिंह

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मेघाश्रेय फाउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष देश की जानी-मानी समाज सेविका सीमा सिंह ने कहा कि देश में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को लाकर देश की नारियों को शक्तिशाली बनाने का जो भारत के प्रधानमंत्री मोदी का सपना है, हर नारी हर देश की बेटी सशक्त बने मजबूत बने उस विजन को रोककर विपक्ष के नेताओं ने नारियों के प्रति अपनी जो मानसिकता प्रकट की है ,इसको आने वाले समय में देश की नारियां माफ नहीं करेंगी। आज महिलाएं पूरी दुनिया में हर क्षेत्र में कहीं भी पुरुष से पीछे नहीं है, इसी को देखते हुए भारत के सशक्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की महिलाओं की आवाज पूरे विश्व में सदन के माध्यम से गूंजे जिसके सपने को देखकर महिलाओं के सपनों को साकार करने के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लाया था ,जिसको विपक्ष इंडिया गठबंधन के लोगों ने सिरे से खारिज किया।इससे देश की सभी महिलाएं बहुत दुखी है आने वाले समय में अपने संविधान द्वारा दिए गए मताधिकार का प्रयोग कर विपक्ष को एहसास दिलाएंगी की नारी शक्ति को जो आपने रोकने का कार्य किया इसका खामियाजा आपको देश के नारियों ने दिया है।इस मौके पर सीमा सिंह ने कहा कि आज पूरे देश की महिला शक्ति प्रधानमंत्री के साथ खड़ी हैं।हम आने वाले समय में प्रधानमंत्री के कंधे से कंधा मिलाकर उनके साथ मजबूती के साथ खड़ी मिलेगी ।

कैंसर सर्जरी पर केंद्रित मेडिकल एक्सीलेंस प्रोग्राम का आयोजन किया

मुंबई/पटना। क्लीनिकल उत्कृष्टता और परस्पर ज्ञान साझा करने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए, फोर्टिस एस्कॉर्ट्स ओखला, नई दिल्ली ने आज मेडिकल एक्सीलेंस प्रोग्राम का आयोजन किया, जिसमें रोबोट की मदद से की जाने वाली सर्जरी और एडवांस कैंसर केयर के बदलते परिदृश्यों पर विचार-विमर्श के लिए मेडिकल विशेषज्ञों और हेल्थकेयर कम्युनिटी ने हिस्सा लिया।

आईएमए बिहार राज्य शाखा के साथ मिलकर आयोजित इस प्रोग्राम के दौरान रोबोटिक कार्डियाक सर्जरी हमारे अनुभव और आगे की राह तथा कैंसर सर्जरी के विस्तृत होते आयाम विषय पर एक्सपर्ट सत्रों का आयोजन किया गया। इस पहल का मकसद, मिनीमॅली इन्वेसिव और रोबोटिक-एसिस्टेड सर्जरी में हुई अत्याधुनिक प्रगति और मरीजों के स्वास्थ्य की दृष्टि से इनकी बढ़ती भूमिका को रेखांकित करना था। प्रोग्राम के दौरान, डॉ ऋत्विक राज भुयान, डायरेक्टर कार्डियो थोरेसिक वास्क्युलर सर्जरी एंड लीड, मिनीमॅली इन्वेसिव एंड रोबोटिक कार्डियाक सर्जरी तथा डॉ अर्चित पंडित, डायरेक्टर झ सर्जिकल ऑंकोलॉजी, फोर्टिस एस्कॉर्ट्स, ओखला, नई दिल्ली साइंस सेशन की कमान संभाली।

इस सत्र के बारे में, डॉ ऋत्विक राज भुयान, डायरेक्टर झ कार्डियो थोरेसिक वास्क्युलर सर्जरी एंड लीड, फोर्टिस एस्कॉर्ट्स, ओखला, नई दिल्ली ने कहा, रोबोटिक कार्डियाक सर्जरी की मदद से हृदय की जटिल प्रक्रियाओं के तौर-तरीकों में बदलाव आ रहे हैं, जो अधिक सटीक होती हैं, और छोटे चीरे के चलते मरीजों की रिकवरी भी जल्दी होती है।

महिला आरक्षण कानून को लेकर सतीश मनचंदा ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महिला आरक्षण कानून में संशोधन का विधेयक लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत हासिल करने में विफल रहा. 2014 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए के सत्ता में आने के बाद से पहली बार कोई विधेयक पास नहीं हो सका है।कांग्रेस सेवादल के मुंबई अध्यक्ष सतीश मनचंदा ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बिल को लेकर सरकार की मंशा ही खराब थी।बिल को परिसीमन से जोड़ा गया है। उनका तर्क है कि 2011 की जनगणना को आधार बनाकर परिसीमन करना गलत है और इसे 2026 की जनगणना के बाद ही किया जाना चाहिए।बिल में ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) महिलाओं के लिए 33% आरक्षण के भीतर कोटा सुनिश्चित नहीं था,जो सामाजिक न्याय के खिलाफ है।श्री मनचंदा ने कहा कि महिलाओं को आरक्षण देने के बजाय 'हिस्सा चोरी' और सिर्फ भारत के निर्वाचन क्षेत्र का नक्शा बदलने का एक पैंतरा था।आगे मनचंदा ने कहा कि जिस तरह से एक देश का प्रधानमंत्री इतने बड़े पद पर विराजमान हो और वह देश की संसद में बोलता हो मैं इस जाति से हूं इससे शर्म की बात और कोई हो नहीं सकता यूजीसी जैसे कानून को लाकर इस देश के भाईचारे को जिस तरह से नफरत में तलवार की धार दी इस प्राइम मिनिस्टर ने इससे यह साबित होता है कि यह प्रधानमंत्री किस विचार का है जो हिंदुओं को हिंदुओं से लड़वाता हो शिक्षा के मंदिर में जातिवाद का नफरत फैलता हो ऐसे प्रधानमंत्री को प्रधानमंत्री की कुर्सी शोभा नहीं देती नरेंद्र मोदी को तुरंत इस पद से त्यागपत्र दे देना चाहिए उन्होंने कहा कि भाजपा शासित राज्यों में महिलाओं के प्रति जिस तरह अपराध बढ़ रहे हैं, वह गंभीर चिंता का विषय है। अच्छा होगा कि पहले भाजपा अपने शासित राज्यों में महिलाओं पर लगातार बढ़ रहे अत्याचार को रोकने की दिशा में सार्थक कदम उठाए ।उन्होंने कहा कि यह बिल देश में पांच राज्यों में हो रहे चुनाव को देखते हुए सोची समझी वोट बैंक की राजनीति के लिए आनन फानन में लाया गया था।ऐसे में बिल को फेल होना ही था। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार लगातार देश में नफरत के बीज बोने का काम कर रही है।हिंदू मुसलमान के राजनीतिक करने के बाद, यूजीसी जैसा कानून लाकर हिंदुओं को ही आपस में लड़ाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं पर अत्याचार के मामले में भाजपा शासित राज्य सबसे आगे हैं।

महिलाओं के अधिकारों को रोकने वाले विपक्ष को देश माफ नहीं करेगा : एसएम खान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महिला आरक्षण बिल के लोकसभा में पास न हो पाने के बाद बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा के महाराष्ट्र प्रदेश उपाध्यक्ष एसएम खान ने विपक्ष पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने जानबूझकर नारी शक्ति वंदन अधिनियम को गिराया है और महिलाओं के अधिकारों के रास्ते में बाधा डाली है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और क्ठउक्र गठबंधन ने बिल का विरोध करके देश की करोड़ों महिलाओं की आशाओं पर प्रहार किया है। श्री खान ने कहा कि विपक्ष ने परिसीमन के मुद्दे को बहाना बनाकर बिल को पास होने से रोका। वह महिला सशक्तिकरण के ऐतिहासिक कदम का जश्न मनाने के बजाय उसे गिराने में लगा रहा।

एस एम खान ने कहा कि पीएम मोदी की 'अंतरात्मा की आवाज पर वोट' देने की अपील को ठुकरा कर विपक्ष ने एक ऐतिहासिक मौका गवा दिया है। देश की जनता उन्हें माफ नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि नारी सशक्तिकरण की दिशा में विपक्ष ने एक रुकावट डाली है ,परंतु देश की महिलाओं को सम्मान दिलाने की दिशा में प्रधानमंत्री के कदमों को रोका नहीं जा सकेगा।

सीबीएसई 10वीं में 96% अंक लाकर नंदिनी घनघाव ने बढ़ाया परिवार और गांव का मान, मिल रही बधाइयां

शाहपुर/कल्याण (उत्तरशक्ति)। शाहपुर तालुका के असनौली गांव से संबंध रखने वाली और वर्तमान में कल्याण में निवासरत नंदिनी शुभांगी अविनाश घनघाव ने सीबीएसई 10वीं बोर्ड परीक्षा में 96% अंक प्राप्त कर शानदार सफलता हासिल की है। नंदिनी की इस उपलब्धि से पूरे परिवार, गांव और मित्र मंडल में खुशी की लहर दौड़ गई है। नंदिनी की इस सफलता पर उनके परिवारजनों ने गर्व व्यक्त किया है। इस अवसर पर काका योगेश सदाशिव घनघाव व काकी आरती योगेश घनघाव, अनिल किसान घनघाव व उज्वला अनिल घनघाव, आजोबा किसन शिवराम घनघाव, अनिल किसन घनघाव, केरुनाथ नामदेव काशिवले, आजी विठाबाई सदाशिव घनघाव, उषा केरुनाथ काशिवले सहित अन्य परिजनों ने उनका अभिनंदन किया। साथ ही आत्या जयश्री संतोष चन्ने, संजना सुरेश चन्ने, वनीता नितिन उबाले तथा सभी मौसियां, बहन-भाई, ग्रामस्थ मंडल असनौली के साथ पंचशील मित्र मंडल असनौली और आरपीआई शाहपुर तालुका के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने भी नंदिनी को शुभकामनाएं दीं। नंदिनी की इस उपलब्धि से क्षेत्र में प्रेरणादायक माहौल बना है और अन्य छात्रों को भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरणा मिली है।

भूपेंद्र मिश्रा एमएससी डिग्री तथा अजीत डोभाल मानद उपाधि सम्मान से सम्मानित

पालघर(उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय महत्व की प्रतिष्ठित संस्था राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, लवाड (गांधीनगर) में आयोजित एक भव्य एवं गौरवपूर्ण समारोह में देश की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु की गरिमामयी उपस्थिति में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियों का साक्षी बना।

इस अवसर पर भूपेंद्र दयाराम मिश्रा को आपदा प्रबंधन एवं राष्ट्रीय सुरक्षा (कार्यकारी कार्यक्रम) में विज्ञान स्नातकोत्तर (एमएससी) की डिग्री विशिष्ट श्रेणी (डिस्टिंक्शन) के साथ प्रदान की गई।यह सम्मान उन्हें विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) बिमल एन. पटेल के करकमलों से 14 अप्रैल 2026 को प्रदान किया गया।समारोह में गुजरात के तत्कालीन राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल तथा गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसी गरिमामयी कार्यक्रम में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को राष्ट्र की सुरक्षा में उनके असाधारण योगदान एवं अतुलनीय सेवाओं के लिए मानद डॉक्टरेट उपाधि (मानद विद्या वाचस्पति) से राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के करकमलों द्वारा सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार की उच्च शिक्षा एवं सम्मान प्राप्त करने वाले सभी व्यक्ति देश की सुरक्षा, आपदा प्रबंधन एवं राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और भारत को और अधिक सशक्त बनायेंगे। बतादें कि भूपेंद्र मिश्रा का जन्म 19 जुलाई 1990 को महाराष्ट्र के बोईसर में हुआ, की इस उपलब्धि पर उनके परिवार, मित्रों एवं शुभचिंतकों में अत्यंत हर्ष का वातावरण है। यह समारोह शिक्षा, सम्मान और राष्ट्र सेवा की भावना का अद्भुत संगम रहा, जिसने युवाओं को देश की सुरक्षा एवं विकास में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

कुर्ला में 5वीं माइकेलाइट मैराथन 2026 का आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। सी ई एस माइकल हाई स्कूल, कुर्ला पश्चिम की ओर से शनिवार, 18 अप्रैल को आयोजित 5वीं माइकेलाइट मैराथन स्पर्धा बड़े ही हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुई।इस स्पर्धा ने कुर्ला इलाके के लोगों को एक साथ जोड़ने का कार्य किया। एकता और जोश की भावना को मजबूत किया।इस स्पर्धा में 750 से ज्यादा छात्रों, अभिभावकों और टीचर्स ने जोश के साथ हिस्सा लिया। यह मैराथन स्पार्धा के प्रिंसिपल डॉ. सैवी मेंडोंका की लीडरशिप में, डायरेक्टर जीन मोसेस गोम्स और संस्थापक मोसेस माइकल गोम्स के गाइडेंस में सफलतापूर्वक आयोजित की गई। रन फॉर यूनिटी एंड माइकेलाइट्स स्माइल व्हाइल रनिंग माइल्स के कॉन्सेप्ट पर आधारित यह मैराथन कॉम्पिटिशन कुर्ला इलाके की सबसे बड़ी सामुदायिक उपक्रमों में से एक बन गई। विनोबा भावे नगर पुलिस स्टेशन और ट्रैफिक पुलिस के सहयोग से बेहतरीन ट्रैफिक कंट्रोल और सिक्योरिटी के इंतजाम किए गए।इस स्पर्धा में प्रमुख रूप से आर टी आई एक्टिविस्ट अनिल गलगली, पुलिस अधिकारी संतोष माने, मुंबई उत्कल स्कूल के प्रेसिडेंट सूर्या गौड़ा और समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। उनकी मौजूदगी ने स्पर्धा में शामिल लोगों का जोश और बढ़ा दिया। 5वीं माइकलाइट मैराथन ने न सिर्फ फिजिकल फिटनेस को बढ़ावा दिया, बल्कि सामाजिक एकता को भी मजबूत किया और कुर्ला इलाके के लिए एक यादगार इवेंट बन गया। वहां मौजूद लोगों ने इवेंट की तारीफ की।इस इवेंट में स्कूल के प्रिंसिपल डॉ. सैवी मेंडोंका और डायरेक्टर जीन मोसेस गोम्स ने आए हुए लोगों को शॉल और बुके देकर सम्मानित किया और फाउंडर मोसेस माइकल गोम्स ने उनका आभार जताया।

केसीएन क्लब का बड़े उत्साह के साथ मनाया गया 38वां स्थापना दिवस

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के बोईसर नगर में राष्ट्रीय सेवाभावी संगठन नोइंग सिटीजन्स नीड़ क्लब (केसीएन क्लब) का 38वां स्थापना दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। दिनभर तक चले कार्यक्रम में संस्था की विस्तार से चर्चा , नियुक्ति पत्र वितरण, महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में नृत्य करने वाले बच्चों को सम्मानित करने सहित निर्झरिणी की 148वीं कवि गोष्ठी के साथ पांच दिवसीय चल रहा स्थापना दिवस आयोजन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ कवि भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर के अधिकारी प्रभुनाथ चतुर्वेदी ने की व कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में निर्झरिणी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ पवन कुमार सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में संस्था के संरक्षक एडवोकेट शोभनाथ त्रिपाठी, उद्योजक केसीएन क्लब महाराष्ट्र प्रदेश कार्याध्यक्ष राकेश आचार्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन क्लब पदाधिकारी के विनोद तिवारी ने किया, कार्यक्रम का पंक्तिबद्ध संचालन निर्झरिणी जिलाध्यक्ष नवरत्न मिश्र अर्पित ने किया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर व संस्था की संस्थापिका माता मीरा देवी की प्रतिमा पर पुष्प हार अर्पित कर अतिथियों व गणमान्य लोगों ने अपने वक्तव्य में क्लब के इतिहास का व्यवस्थित वर्णन किया।

कार्यक्रम में संस्थापक समिति के सदस्यों को नमन करते हुए उनके प्रयासों की सराहना की गई व सभी सदस्यों, पदाधिकारीयों, मार्ग दर्शकगण व तन मन धन से सहयोग कर संस्थान को इस ऊंचाई तक पंहुचाने वालों को हार्दिक आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में पूर्व ग्राम पंचायत सदस्य प्रतिनिधि सुशील तिवारी, उद्योजक सोनू पांडेय, कवि श्याम बाबू गुप्ता, अरविंद द्विवेदी, हीरालाल राजभर, पालघर जिलाध्यक्ष जयप्रकाश जायसवाल, युवा मोर्चा राष्ट्रीय सचिव चन्दन झा , देवेंद्र मेश्राम, वीरेन्द्र साहू, बैजनाथ महतो, गुलाब चौहान, मनोज यादव , अश्विनी जोशी, मनीषा पिम्पले, अभिजीत जोशी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष नँदन मिश्र त्यागी ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम समापन की घोषणा की।

शिवसेना का अंबरनाथ में कांग्रेस के खिलाफ जोरदार आंदोलन

चेतन निर्मल

अंबरनाथ (उत्तरशक्ति)। अंबरनाथ में शिवसेना ने कांग्रेस के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। महिला आरक्षण विधेयक पर कांग्रेस के विरोध के बाद शिवसेना ने छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर निषेध आंदोलन किया। शिवसेना मुख्य नेता और राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के आदेश पर, कल्याण लोकसभा के सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे और जिलाप्रमुख गोपाळ लांडगे के मार्गदर्शन में अंबरनाथ शहर में कांग्रेस के खिलाफ निषेध आंदोलन किया गया। इस आंदोलन में महिलाओं ने बढचढकर हिस्सा लिया शिवसेना का आरोप है कि लोकसभा में महिलाओं को अधिकार दिलाने वाले महिला आरक्षण विधेयक पर कांग्रेस ने विरोध में मतदान किया। कांग्रेस के इस विरोध के कारण यह महत्वपूर्ण विधेयक नामंजूर हो गया। महिला सशक्तिकरण की बातें करने वाली कांग्रेस का असली चेहरा देश के सामने आ गया है,ऐसा आरोप शिवसेना ने लगाया। कांग्रेस की इस महिला विरोधी भूमिका का जाहीर निषेध करने के लिए आज अंबरनाथ पूर्व के छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर भव्य आंदोलन किया गया। इस मौके पर विधायक डॉ. बालाजी किणीकर के साथ अंबरनाथ के सभी शिवसेना नगरसेवक, पदाधिकारी, महिला आघाड़ी और युवासैनिक बड़ी संख्या में मौजूद थे। सभी ने एकजुट होकर कांग्रेस की नीतियों का तीव्र निषेध किया। शिवसेना ने कहा, महिलाओं की प्रगति में अड़चन डालने वाली शक्तियों का शिवसेना हमेशा विरोध करेगी। माता-बहनों का अपमान करने वालों का धिक्कार है।शिवसेना सदैव महिलाओं के सम्मान के लिए कटिबद्ध है।

अग्निशमन सेवा दिवस के अवसर पर भिवंडी में जागरूकता अभियान अंतर्गत दमकल विभाग ने किए लाइव डेमो

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। 14 अप्रैल 1944 को मुंबई विक्टोरिया डॉकयार्ड में जहाज में लगी आग बुझाने के दौरान हुए भीषण विस्फोट में शहीद हुए अग्निशमन जवानों की स्मृति में हर वर्ष 14 अप्रैल को अग्निशमन सेवा दिवस मनाया जाता है। इसी क्रम में भिवंडी मनपा के अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा विभाग द्वारा शहर में जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत 15 अप्रैल 2026 को नारपोली स्थित जैनम ग्रीन सोसायटी रेसिडेंसी बिल्डिंग और 16 अप्रैल 2026 को शांतीनगर स्थित टोरेंट पावर हाउस परिसर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में अग्निशमन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने लोगों को आग से बचाव के उपायों की जानकारी दी। मुख्य अग्निशमन अधिकारी नितीन चव्हाण, सब स्टेशन अधिकारी गुरुचरण पंडुरे, स्टेशन इंचार्ज नरेंद्र बावणे, चंद्रकांत धानवा, शैलेष शिंदे, ड्यूटी इंचार्ज अमोल किणी, महेश पाटिल सहित अन्य कर्मचारियों ने अग्निशमन उपकरणों का प्रात्यक्षिक प्रदर्शन किया। साथ ही पंपलेट वितरित कर लोगों को अग्निसुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया।अग्निशमन विभाग द्वारा आने वाले दिनों में भी शहर के विभिन्न हिस्सों में ऐसे ही प्रात्यक्षिक और जनजागरूकता कार्यक्रम जारी रखने की जानकारी दी गई है।

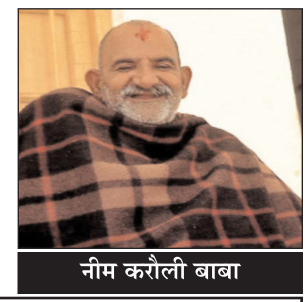
नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति**, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

दो वाहनों की टक्कर में पिता-पुत्र घायल

मछलीशहर में भीषण सड़क हादसा

अरशद अली

मछलीशहर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के मछलीशहर नगर में शुक्रवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में हाफिज सरफराज साहब और उनका बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना रात करीब 10:45 बजे नंदलालपुरा रोड स्थित ट्रांसफार्मर के पास हाईवे पर हुई, जहां दो तेज रफ्तार गाड़ियों की जोरदार टक्कर हो गई।

हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सड़क किनारे बैठे हाफिज सरफराज साहब और उनका बच्चा भी इस दुर्घटना की चपेट में आ गए, जिससे दोनों को गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोगों की सहायता से घायलों को तुरंत एक निजी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

परिजनों के मुताबिक हाफिज सरफराज साहब को पसली, जबड़े, मुंह के अंदर और घुटने में गंभीर चोटें आई हैं। डॉक्टरों ने उन्हें प्लास्टर कर पूर्ण विश्राम की सलाह दी है। वहीं उनके बच्चे की एक उंगली में फ्रैक्चर और एड़ी के पीछे की हड्डी टूट गई है, जिस पर कच्चा प्लास्टर किया गया है।

बताया जाता है कि हाफिज सरफराज साहब बच्चों को तालीम देकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। इस हादसे के बाद परिवार गहरे संकट में है और इलाज जारी है।

गयासपुर नोनारी में प्राथमिक विद्यालय न होने से ग्रामीण परेशान, सरकार से स्थापना की मांग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के सदर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गयासपुर नोनारी में आज तक राजकीय प्राथमिक विद्यालय की स्थापना न होने से ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। गांव के बच्चों को प्राथमिक शिक्षा के लिए 2 से 3 किलोमीटर दूर अन्य गांवों में जाना पड़ता है, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने इस मुद्दे को उठाते हुए प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने कहा कि लगभग 400 घरों और करीब 1600 मतदाताओं वाले इस बड़े गांव में विद्यालय का अभाव अत्यंत चिंताजनक है।

उन्होंने कहा कि शिक्षा हर बच्चे का मौलिक अधिकार है, लेकिन गयासपुर नोनारी के बच्चे इस अधिकार से वंचित हैं। दूर-दराज के स्कूलों में जाने की मजबूरी के कारण छोटे बच्चों और उनके अभिभावकों को कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

अरशद खान ने सरकार से मांग की है कि गांव में जल्द राजकीय प्राथमिक विद्यालय की स्थापना कराई जाए, ताकि बच्चों को उनके घर के पास ही शिक्षा की सुविधा मिल सके। साथ ही उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों से इस जनहित के मुद्दे पर एकजुट होकर आवाज उठाने की अपील की है, जिससे जल्द समाधान संभव हो सके।

मनरेगा कार्मिकों की कलमबंद हड़ताल

मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

निशानाथ

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रांतीय आह्वान पर विकास खंड शाहगंज सोंधी के मनरेगा कार्मिकों ने 16 अप्रैल से 25 अप्रैल तक कलमबंद हड़ताल शुरू कर दी है। हड़ताल में अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी, तकनीकी सहायक, लेखा सहायक, कंप्यूटर सहायक तथा ग्राम रोजगार सेवक शामिल हैं।

उत्तर प्रदेश ग्राम रोजगार सेवक वेलफेयर एसोसिएशन के बैनर तले ब्लॉक अध्यक्ष निशानाथ के नेतृत्व में कार्मिकों ने कार्य बहिष्कार करते हुए अपनी लंबित मांगों को लेकर आवाज बुलंद की। इस दौरान उन्होंने खंड विकास अधिकारी को संबोधित ज्ञापन सौंपकर समस्याओं के समाधान की मांग की।

कार्मिकों की प्रमुख मांगों में बकाया मानदेय का शीघ्र भुगतान, ईपीएफ की व्यवस्था, मानदेय में वृद्धि तथा एचआर पॉलिसी लागू करना शामिल है। उनका कहना है कि लंबे समय से मानदेय न मिलने के कारण उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

कार्मिकों ने चेतावनी दी है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, आंदोलन जारी रहेगा। हड़ताल के चलते विकास खंड क्षेत्र में मनरेगा कार्य प्रभावित होने की संभावना है, जिससे ग्रामीण रोजगार योजनाओं पर असर पड़ सकता है। हड़ताली कार्मिकों ने प्रशासन से अपील की है कि प्रांतीय नेतृत्व से दिशा-निर्देश मिलने तक उन पर कार्य करने का दबाव न बनाया जाए।

इस मौके पर एपीओ नृपेंद्र सिंह, उमाकांत यादव, किशन कुमार, सुभाष चंद्र, प्रीति यादव, आरती देवी, मीरा जायसवाल, अजय कुमार, गुड़िया, संतलाल, आशा यादव, आरुत यादव, सतीश कुमार, शिव प्रसाद, चंद्र प्रकाश, नीतू सिंह, विनोद कुमार, लालमन बिंद, रामकेवल, ज्योति यादव, सुषमा देवी समेत अन्य कार्मिक मौजूद रहे।

रंजिश में जहर देकर हत्या, पुलिस ने दो महिलाओं को दबोचा

मो.इमरान फारूख

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जिले के तरवां थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश के चलते युवक की जहर देकर हत्या करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस सनसनीखेज वारदात में शामिल दो महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार, महुवारी गांव की रहने वाली प्रियंका सिंह ने थाने में तहरीर देकर बताया कि 16 अप्रैल को संध्या सिंह (60) और अर्चना सिंह (35) ने उसके भाई को रंजिश खत्म करने के बहाने घर बुलाया। वहां उसे कोल्डड्रिंक में जहर मिलाकर पिला दिया गया, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई।

गंभीर अवस्था में परिजनों ने युवक को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान 17 अप्रैल को उसकी मौत हो गई। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की और युवक की मौत के बाद हत्या की धारा भी जोड़ दी गई।

तरवां पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए 18 अप्रैल की सुबह करीब 6:45 बजे दोनों आरोपित महिलाओं को उनके घर से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के दौरान महिला पुलिसकर्मियों को भी साथ रखा गया।

पुलिस का कहना है कि मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है।

घर पर कब्जे की कोशिश और लूट का आरोप, महिला ने डीएम से लगाई गुहार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर कोतवाली क्षेत्र के बोदकरपुर ईशापुर में एक महिला ने कुछ लोगों पर घर का ताला तोड़कर जबरन कब्जा करने, लूटपाट करने और जान से मारने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता ने मामले की शिकायत जिलाधिकारी से कर न्याय की मांग की है।

जानकारी के अनुसार, प्रेमा देवी ने जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र को दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि बीते शुक्रवार को कुछ लोगों ने कथित रूप से पुलिसकर्मियों के साथ मिलकर उनके घर में घुसकर ताला तोड़ दिया और कब्जा करने का प्रयास किया। इस दौरान घर में तोड़फोड़ भी की गई। पीड़िता का आरोप है कि आरोपियों ने घर में रखे करीब 2 लाख रुपये के जेवर और 10 हजार रुपये नकद भी लूट लिए। उन्होंने यह भी कहा कि इस घटना से जुड़े उनके पास सबूत मौजूद हैं।

महिला ने आरोप लगाया कि उक्त लोग पहले भी उन पर चाकू से हमला कर चुके हैं और लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित करते रहे हैं। उनका कहना है कि आरोपी जबरन मकान पर कब्जा करना चाहते हैं और उन्हें तथा उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। पीड़िता ने प्रशासन से मामले में निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। वहीं, जिलाधिकारी ने मामले का संज्ञान लेते हुए जांच कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

विवाहिता को मारपीट कर घर से निकाला, पति व ससुर पर मुकदमा दर्ज

गौराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना क्षेत्र के सरेमू गांव में एक विवाहिता को उसके पति और ससुर द्वारा प्रताड़ित कर घर से बाहर निकालने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सरेमू गांव निवासी राविया पत्नी परवेज मुशर्रफ ने थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया है कि उसका पति परवेज मुशर्रफ आए दिन उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट करता है। पीड़िता का आरोप है कि उसका पति उसे जान से मारने की धमकी देते हुए घर से बाहर निकाल देता है। इस कार्य में उसके ससुर एकराम भी पति का साथ देते हैं और पीड़िता के साथ भद्दी-भद्दी गालियां व मारपीट करते हैं। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी पति परवेज मुशर्रफ और ससुर एकराम के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 115(2), 352 और 351(3) के तहत मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। थाना अध्यक्ष प्रवीण कुमार यादव के निर्देश पर उपनिरीक्षक राजकुमार सिंह को मामले की जांच सौंपी गई है। पुलिस घटना की छानबीन में जुटी है।

शम्भूगंज में सड़क दुर्घटना, युवक की मौत

रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के बक्शा थाना क्षेत्र अंतर्गत शम्भूगंज में शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आने से एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और आसपास के लोग तुरंत मौके पर इकट्ठा हो गए।

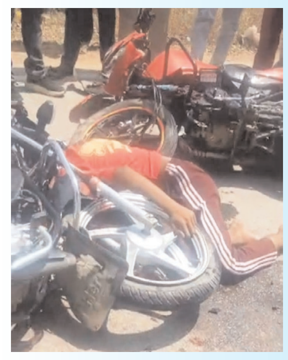

स्थानीय लोगों के अनुसार, युवक किसी कार्य से सड़क पार कर रहा था, तभी अचानक तेज गति से आ रहे वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया, जिससे लोगों में आक्रोश भी देखा गया।

घटना की सूचना मिलते ही बक्शा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है और फरार वाहन व चालक की तलाश जारी है। वहीं, मृतक की पहचान कराने और उसके परिजनों को सूचना देने का प्रयास भी किया जा रहा है। इस घटना के बाद शम्भूगंज क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए सड़क सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाएं और दोषी वाहन चालक को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए।

कुबा इंटरनेशनल स्कूल का शानदार प्रदर्शन, परिणाम शत-प्रतिशत

कक्षा 10 के छात्रों ने लहराया सफलता का परचम, टॉप-10 में उत्कृष्ट अंक हासिल

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के कुबा इंटरनेशनल स्कूल के कक्षा 10 के परीक्षा परिणाम इस वर्ष शत-प्रतिशत रहे, जिससे विद्यालय में खुशी की लहर दौड़ गई। छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए न केवल विद्यालय बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। विद्यालय की छात्रा लाइबा ने 90.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं रुम्शा सिद्दीकी (89.8%) द्वितीय और कुलसुम खालिद (89.6%) तृतीय स्थान पर रहीं।

इसके अलावा ज़िक्रा बानो, माहा बेलाल, मोहम्मद अरशद, मोहम्मद अमान, अब्दुल्लाह वाकिफ सिद्दीकी, ओबैद उर रहमान और शेफा सुहैल ने भी टॉप-10 में जगह बनाकर शानदार सफलता हासिल की। विद्यालय प्रबंधन ने सभी सफल छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। इस उपलब्धि के पीछे छात्रों की मेहनत, शिक्षकों का मार्गदर्शन और अभिभावकों का सहयोग अहम रहा है। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में हर्षोल्लास का माहौल रहा। शिक्षकों एवं अभिभावकों ने भी छात्रों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें आगे और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।

किसानों को बड़ी राहत: अब मौके पर ही समाधान, 110 लेखपालों की टीम रहेगी सक्रिय

पांच मिनट में बनेगा फार्मर आईडी, व्हाट्सएप ग्रुप के जरिए तुरंत होगी सुनवाई; गेहूं क्रय केंद्रों पर बेहतर व्यवस्थाओं का दावा

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज तहसील क्षेत्र में किसानों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए प्रशासन ने व्यापक तैयारी की है। शनिवार को एसडीएम शाहगंज कुणाल गौरव के निर्देशन में तहसीलदार और लगभग 110 लेखपालों की टीम को सक्रिय किया गया है, जो किसानों की शिकायतों का मौके पर निस्तारण सुनिश्चित करेगी।

एसडीएम कुणाल गौरव ने बताया कि किसानों को अब छोटी-छोटी समस्याओं के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। इसके लिए एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया जा रहा है, जिसमें क्षेत्र के सभी किसानों को जोड़ा जाएगा। इस ग्रुप में एसडीएम, तहसीलदार और लेखपाल भी शामिल रहेंगे। किसान अपनी समस्या या जानकारी के लिए ग्रुप में संदेश भेज सकेंगे, जिस पर तत्काल संज्ञान लेकर समाधान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि गेहूं क्रय प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए फार्मर आईडी अनिवार्य कर दी गई है। यदि कोई किसान बिना फार्मर आईडी के क्रय केंद्र पर पहुंचता है, तो वह वहीं मौजूद संस्थापक या लेखपाल से संपर्क कर मात्र पांच मिनट में अपनी फार्मर आईडी बनवा सकता है। इसके अलावा, जिन किसानों के सभी गाटा (खेतों के विवरण) फार्मर आईडी से जुड़े नहीं हैं, वे भी मौके पर ही लेखपाल या संबंधित अधिकारी से संपर्क कर अपने सभी गाटे जुड़वा सकते हैं। इससे भुगतान और रिकॉर्ड से संबंधित समस्याएं कम होंगी। एसडीएम ने यह भी स्पष्ट किया कि चकबंदी वाले गांवों में जहां फार्मर आईडी बनने में तकनीकी दिक्कतें आ रही हैं, वहां फिलहाल पूर्व की भांति ही गेहूं क्रय प्रक्रिया जारी रहेगी, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। प्रशासन ने गेहूं क्रय केंद्रों पर बुनियादी सुविधाओं को लेकर भी विशेष ध्यान देने की बात कही है। केंद्रों पर स्वच्छता, पेयजल और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी, जिससे किसानों को लंबी प्रतीक्षा के दौरान परेशानी न हो। एसडीएम कुणाल गौरव के अनुसार, प्रशासन का लक्ष्य है कि किसानों को पारदर्शी और त्वरित सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। इसके लिए तकनीक और जमीनी स्तर की टीम दोनों को साथ लेकर काम किया जा रहा है।

मानीकलां में जर्जर बिजली व्यवस्था बनी खतरा, एल.टी. लाइन टूटने से दहशत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के ग्राम मानी कलां (पश्चिमी भाग) में जर्जर बिजली व्यवस्था अब स्थानीय लोगों के लिए गंभीर खतरा बन गई है। क्षेत्र में गांधी चबूतरे से लेकर स्वर्गीय इकबाल अहमद (वकील) के घर तक एल.टी. लाइन की केबिल आए दिन टूटकर गिर रही है, जिससे न केवल बिजली आपूर्ति बाधित हो रही है बल्कि लोगों में भय और असुरक्षा का माहौल भी बना हुआ है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह समस्या लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन बिजली विभाग द्वारा अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। लगातार हो रही घटनाएं विभाग की लापरवाही को उजागर कर रही हैं।

बड़े हादसे की आशंका: क्षेत्र में गिरी हुई केबिल कभी भी किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते व्यवस्था नहीं सुधारी गई, तो जान-माल का नुकसान हो सकता है।

इस संबंध में भारत प्रेस वाराणसी मंडल अध्यक्ष इम्तियाज अहमद ने जिलाधिकारी जौनपुर को लिखित शिकायत देकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

वहीं, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने भी जिलाधिकारी और प्रदेश के बिजली मंत्री से मामले का संज्ञान लेते हुए तत्काल समाधान कराने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो यह मुद्दा जनआंदोलन का रूप ले सकता है।

मुख्य मांगें: ◆ क्षतिग्रस्त एल.टी. लाइन की केबिल का तत्काल मरम्मत या बदलाव ◆ सुरक्षित और नई लाइन बिछाई जाए ◆ नियमित निरीक्षण और जिम्मेदारी तय की जाए।

चेतावनी: समस्या का शीघ्र समाधान न होने पर क्षेत्रीय जनता के साथ मिलकर व्यापक आंदोलन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

जौनपुर में रॉकेट लर्निंग द्वारा जिला स्तरीय समीक्षा बैठक का सफल आयोजन

प्रियेश गुप्ता रुद्र

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। रॉकेट लर्निंग टीम, जौनपुर द्वारा आज जिला स्तरीय समीक्षा बैठक का सफल आयोजन किया गया, जिसमें जनपद के सभी बाल विकास परियोजना अधिकारी एवं सुपरवाइजरों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

बैठक के दौरान जनपद में संचालित कार्यक्रम की वार्षिक प्रगति प्रस्तुत की गई। इसमें प्रशिक्षण, अभिभावक-आंगनवाड़ी बैठक (पीएएम) की प्रगति, तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों के प्रदर्शन के आधार पर गोल्ड, सिल्वर एवं ब्रॉन्ज प्रमाणपत्र वितरण की जानकारी साझा की गई। रॉकेट लर्निंग टीम द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों को प्रमाणपत्र भी वितरित किए गए, जिससे उनका उत्साहवर्धन हुआ।

इसके साथ ही जमीनी स्तर से प्राप्त फीडबैक एवं अनुभवों को भी साझा किया गया, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि कार्यक्रम के माध्यम से आंगनवाड़ी केंद्रों पर सीखने की गुणवत्ता एवं सहभागिता में सकारात्मक सुधार आया है। बैठक में सभी एक्टिवेशन मानकों को विस्तार से साझा किया गया तथा

उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा की गई। रॉकेट लर्निंग टीम द्वारा नए ईसीसीई कैलेंडर को भी विस्तार से समझाया गया, जिससे आने वाले समय में गतिविधियों का बेहतर एवं सुनियोजित संचालन सुनिश्चित किया जा सके।

बैठक के दौरान डीपीओ द्वारा उठाए गए सभी प्रश्नों का टीम द्वारा विस्तार से उत्तर दिया गया। डीपीओ महोदय ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि सभी संबंधित अधिकारी मिलकर जनपद के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों पर पीएएम को और अधिक प्रभावी ढंग से लागू करेंगे, पारदर्शिता बढ़ाएंगे तथा नए अपडेट्स के साथ निरंतर आगे बढ़ते रहेंगे। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि सुपरवाइजरों को भी प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएं, जिससे उनका मनोबल बढ़े।

इस अवसर पर रॉकेट लर्निंग की प्रोग्राम मैनेजर भी उपस्थित रहीं, जिन्होंने बैठक के दौरान महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया। रॉकेट लर्निंग टीम द्वारा जनपद में प्रारंभिक बाल शिक्षा को सशक्त बनाने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे बच्चों के समग्र विकास को सुनिश्चित किया जा सके।

सोनभद्र में मानवाधिकार न्यायालय गठन की मांग तेज, डीबीए ने सौंपा ज्ञापन

सुशील कुमार तिवारी

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। जनपद में मानवाधिकार न्यायालय के गठन को लेकर मांग तेज हो गई है। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन (डीबीए) के अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने जनपद एवं सत्र न्यायाधीश को ज्ञापन सौंपकर इस दिशा में कार्रवाई की मांग की है।

ज्ञापन में अधिवक्ताओं ने बताया कि उत्तर प्रदेश शासन की 25 मई 2005 की अधिसूचना के अनुसार जनपद में अपर जिला जज कोर्ट संख्या-1 को मानवाधिकार न्यायालय का दर्जा प्राप्त है, लेकिन अभी तक यह न्यायालय उस रूप में कार्य नहीं कर रहा है। साथ ही मानवाधिकार मामलों के लिए अलग से कोई कार्यालय भी स्थापित नहीं किया गया है।

अधिवक्ताओं ने मांग की है कि अपर जिला जज कोर्ट संख्या-1 को तत्काल प्रभाव से मानवाधिकार न्यायालय के रूप में संचालित किया जाए और इसके लिए अलग कार्यालय की व्यवस्था की जाए, ताकि मानवाधिकार से जुड़े मामलों की सुनवाई सुचारू रूप से हो सके।

डीबीए पदाधिकारियों का कहना है कि न्यायालय के सक्रिय न होने से मानवाधिकार से जुड़े मामलों के निस्तारण में दिक्कतें आ रही हैं। यदि न्यायालय को विधिवत संचालित किया जाता है, तो पीड़ितों को शीघ्र और प्रभावी न्याय मिल सकेगा।

इस दौरान पूर्व अध्यक्ष जगजीवन सिंह, पवन कुमार सिंह, राजेश कुमार यादव, अमित वर्मा, टीटू प्रसाद गुप्ता, अरुण कुमार गुप्ता, आदर्श पाण्डेय सहित कई अधिवक्ता मौजूद रहे।

गांव में लगी तहसीलदार की अदालत, वकीलों के विरोध के बीच उठाया बड़ा कदम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तहसील मछलीशहर में चल रहे अधिवक्ताओं के विरोध के बीच तहसील प्रशासन ने एक नई पहल करते हुए सीधे गांव में चौपाल लगाकर वादकारियों की समस्याओं का समाधान करना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में तहसीलदार रविरंजन कश्यप ने सजहईकला, सरायबीका, सहिजपुर गांवों में चौपाल लगाकर मामलों की समीक्षा की और मौके पर ही निपटान किया। बताया जा रहा है कि तहसील मुख्यालय पर चल रहे विरोध के कारण आम वादकारियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। ऐसे में तहसीलदार ने पहल करते हुए खुद गांव पहुंचकर जनता की समस्याएं सुनीं और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की।

चौपाल के दौरान तहसीलदार नामित अधिवक्ता, पेशकार और राजस्व टीम के साथ गांव पहुंचे। उन्होंने लंबित मुकदमों की विस्तार से समीक्षा की और कई मामलों का मौके पर ही निस्तारण किया। इस दौरान ग्रामीणों की भारी भीड़ मौजूद रही और लोगों ने अपनी समस्याएं खुलकर रखीं। तहसीलदार रविरंजन कश्यप ने स्पष्ट कहा कि वादकारियों का कोई अहित नहीं होने दिया जाएगा। उनकी समस्याओं का

समाधान हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनता के लिए सभी कार्य सहजता और पारदर्शिता के साथ किए जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि प्रशासन हर परिस्थिति में जनता के साथ खड़ा है और जरूरत पड़ने पर इसी तरह गांव-गांव जाकर चौपाल लगाई जाएगी, ताकि किसी भी व्यक्ति को न्याय पाने में दिक्कत न हो।

ग्रामीणों में दिखा संतोष: गांव में चौपाल लगने से ग्रामीणों में संतोष का माहौल देखने को मिला। लोगों ने प्रशासन की इस पहल की सराहना की और कहा कि इससे उन्हें सीधे अधिकारियों तक अपनी बात पहुंचाने का मौका मिला है। वकीलों के विरोध के बीच तहसीलदार द्वारा गांव में चौपाल लगाना प्रशासन की सक्रियता और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह पहल न केवल वादकारियों के लिए राहत लेकर आई है, बल्कि प्रशासन और जनता के बीच संवाद को भी मजबूत कर रही है।

ट्रांसफार्मर जलने से अंधेरे में डूबा बैराडीह / गम्भीरपुर मेबाजार, समाजसेवी की पहल से मिली राहत

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। बैराडीह / गम्भीरपुर मेबाजार में मुख्य 250 केवी ट्रांसफार्मर जल जाने से पूरे क्षेत्र में हाहाकार मच गया। बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप हो जाने से आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। भीषण गर्मी और अंधेरे के चलते लोगों का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित रहा। समस्या की गंभीरता को देखते हुए ग्रामसभा के सम्मानित समाजसेवी विजय प्रकाश मिश्रा ने तत्परता दिखाते हुए रात करीब 12 बजे जेसीबी मंगवाकर खराब ट्रांसफार्मर को हटवाने एवं नया ट्रांसफार्मर स्थापित कराने का कार्य शुरू कराया। उनकी इस पहल से शीघ्र ही बिजली आपूर्ति बहाल हो सकी, जिससे क्षेत्रवासियों को बड़ी राहत मिली। ग्रामवासियों ने श्री मिश्रा के इस सराहनीय कार्य की भूरी-भूरी प्रशंसा की। लोगों का कहना है कि उनके त्वरित प्रयास से समय रहते बड़ी समस्या का समाधान संभव हो सका। वहीं स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि भविष्य में इस प्रकार की समस्याओं से बचाव के लिए ट्रांसफार्मरों की नियमित जांच, समय-समय पर मरम्मत एवं आवश्यकतानुसार क्षमता वृद्धि सुनिश्चित की जाए, ताकि बिजली आपूर्ति सुचारू रूप से बनी रहे।

भूसा दान महाअभियान में 135 कुंतल भूसा दान, अधिकारियों ने किया सराहनीय पहल का शुभारंभ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खंड रामपुर में शनिवार को भूसा दान महाअभियान के तहत 135 कुंतल भूसा एकत्र कर अस्थाई गोवंश आश्रय स्थलों के लिए रवाना किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह की उपस्थिति रही। इस अभियान में समाजसेवी एवं जनप्रतिनिधियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। राजकुमार सिंह द्वारा 35 कुंतल, ग्राम प्रधान कोचरी द्वारा 20 कुंतल, राम सिंह पटेल द्वारा 18 कुंतल, वीरेंद्र प्रसाद द्वारा 15 कुंतल, ग्राम प्रधान भानपुर द्वारा 15 कुंतल तथा विश्वजीत गिरी द्वारा 20 कुंतल भूसा दान किया गया। एकत्रित भूसा को विकास खंड के अस्थाई गोवंश आश्रय स्थल सिधवन, पचरुखी, जालिम सिंह एवं पूराजीवन के लिए भेजा गया। जिलाधिकारी एवं एसएसपी ने संयुक्त रूप से भूसा लदी गाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम के दौरान सभी दानदाताओं को अंगवस्त्रम एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी ने इस अवसर पर कहा कि गोवंश संरक्षण समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है और सभी लोगों को अपनी क्षमता के अनुसार इस पुनीत कार्य में सहयोग करना चाहिए।

राघव कौशिक के नए ट्रैक सुन रे पिया के साथ सभी पर चढ़ेगा प्यार का फीवर

पटना(उत्तरशक्ति)। उभरते हुए इंडी पॉप कलाकार राघव कौशिक अपने नवीनतम सिंगल 'सुन रे पिया' के साथ वापस लौटे हैं। यह एक ऐसा गीत है जो बेइंतहा प्यार में होने की उथल-पुथल और आकर्षण को दशार्ता है। अपने आत्मनिरीक्षण वाले गीत-लेखन और भावपूर्ण आवाज के लिए जाने जाने वाले, राघव ने इस ट्रैक के साथ एक ताजगी भरा नया मोड़ लिया है और इसके सबसे भावुक रूप में प्यार का जश्न मनाया है। अमृता सलूजा द्वारा लिखित और राघव कौशिक द्वारा ︎़प्यार का फीवर चढ़ने लगा︎़ के विचार पर गाए गए इस गीत में उस पल को कैद किया गया है, जहाँ भावनाएं तर्क पर हावी हो जाती हैं और दिल अपना नियंत्रण कर लेता है। यह एक ऐसे युवक की कहानी है जो प्यार में इस कदर डूब गया है कि उसे वास्तविकता में वापस बुलाने वाले अपने दोस्तों की आवाजें भी सुनाई नहीं देती हैं। यह गाना प्यार से होने वाली उथल-पुथल के एक ऐसे चित्रण के रूप में सामने आता है, जिससे लोग आसानी से खुद को जोड़ सकते हैं। सुन रे पिया के बारे में बात करते हुए राघव कौशिक कहते हैं, ︎़सुन रे पिया उस जगह से आता है जहाँ प्यार पूरी तरह से आप पर हावी हो जाता है और आप इसे समझने की कोशिश करते हैं, लेकिन आप बस उस एहसास में खो जाते हैं। यह थोड़ा अतार्किक है, थोड़ा अभिभूत करने वाला है, लेकिन साथ ही यह सबसे खूबसूरत अहसासों में से एक है। मैं चाहता था कि यह गीत उस रोमांच को कैद करे जो आसान और मजेदार हो, और जिसमें लोग वास्तव में खुद को देख सकें।

पुलिस ने साइबर ठगी करने वाले डॉक्टर समेत पांच आरोपी किया गिरफ्तार

बरेली (उत्तरशक्ति)। साइबर अपराध करने वाले चीन के गैंग के साथ मिलकर देश में साइबर ठगी करने वाले पांच शातिरों को बरेली के कैंट थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। साइबर ठग गिरोह के तीन सदस्य बरेली के हैं जबकि एक आरोपी अंबेडकर नगर निवासी होम्योपैथिक डॉक्टर और एक ठग बाराबंकी जिले का है। गिरोह के पास से हथियार और इलेक्ट्रानिक उपकरण, कई बैंक खातों के प्रपत्र आदि सामान बरामद हुए हैं।

सीओ प्रथम आशुतोष शिवम व सीओ हाईवे शिवम आशुतोष ने बताया कि शुक्रवार रात कैंट थाना प्रभारी संजय धीर ने मुखबिर की सूचना पर कृष्णा कॉलोनी रोड पर दीवार की आड़ में खड़ी काली कार को घेरकर खिड़की खुलवाई। कार में बैठे लोगों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। इन्होंने अपने नाम फरीदपुर के बक्सरिया मोहल्ला निवासी शाकिब अली, भमोरा के बल्लिया निवासी राजकुमार, सुभाषनगर के जागृति नगर निवासी आशीष सिंह, अंबेडकरनगर के अकबरपुर निवासी डॉक्टर सचेंद्र कुमार (बीएचएमएस) व बाराबंकी के टिकैत नगर अगानपुर निवासी बब्लू उर्फ माधोराम बताया। पुलिस को इनसे बरामद डिवाइस में बड़ी मात्रा में ठगी का डाटा मिला है। कोर्ट ने सभी आरोपियों को जेल भेज दिया। पुलिस गैंग के सरगना सुमित और अन्य सदस्यों की तलाश कर रही है। शाकिब अली ने बताया कि उसके गिरोह का सरगना नवाबगंज कस्बे का निवासी सुमित है, जो लखनऊ में रहता है। गिरोह में शाकिब नंबर दो और होम्योपैथिक डॉ. सचेंद्र नंबर तीन की हैसियत में हैं। सुमित ने उन्हें व्हाट्सएप ग्रुप से जोड़ रखा है। उनके ग्रुप में चीन के साइबर ठग और गैंगस्टर जुड़े हैं। यही गैंगस्टर एपीके फाइल, गेमिंग एप का डाटा उपलब्ध कराते हैं। साइबर ठगी कर करोड़ों रुपये डॉक्टर सचेंद्र के खाते में डाले जाते थे। इसके बाद ठगों के खुलवाए अन्य खातों में यह रकम ट्रांसफर कर दी जाती है। रकम को खातों में डेबिट कार्ड, चेक आदि से वह नकदी में बदल लेते हैं।

कोल्ड ड्रिंक में जहर देकर हत्या करने के आरोप में दो महिलाएं गिरफ्तार

आजमगढ़। आजमगढ़ जिले के तरवां थाना क्षेत्र में कोल्डड्रिंक में जहर मिलाकर युवक की हत्या करने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। मामले में पुलिस ने दो महिला आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी संध्या सिंह और अर्चना सिंह महुवारी गांव की रहने वाली हैं। यह गिरफ्तारी शनिवार सुबह उनके घर से की गई। तरवां थाना क्षेत्र के महुवारी गांव निवासी प्रियंका सिंह ने तहरीर देकर आरोप लगाया था कि बृहस्पतिवार को पुरानी रंजिश समाप्त करने के बहाने संध्या सिंह और अर्चना सिंह ने उसके भाई दीपक सिंह उर्फ रिंटू को अपने घर बुलाया। वहां उसे कोल्ड ड्रिंक में जहर मिलाकर पिला दिया गया, जिससे उसकी हालत गंभीर हो गई। परिजनों ने उसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान शुक्रवार को उसकी मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने पहले संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज किया और मृत्यु के बाद हत्या की धारा भी बढ़ा दी गई। थाना प्रभारी चन्द्रदीप कुमार ने बताया कि शनिवार की सुबह पुलिस टीम ने महिला पुलिसकर्मियों की सहायता से दोनों महिला आरोपी महुवारी निवासी संध्या सिंह और अर्चना सिंह को उनके घर से गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है और घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

कम्पोजिट विद्यालय भौरास में धूमधाम से मनाया गया वार्षिकोत्सव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खंड बरसठी के कम्पोजिट विद्यालय भौरास में शनिवार को वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल रहे, जबकि अध्यक्षता श्री राज कुमार दीक्षित (P.E.S) ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में शिक्षक संगठन यूटा के प्रांतीय महामंत्री/जिलाध्यक्ष डॉ. हेमंत सिंह उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ किया गया। इसके पश्चात विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं स्टाफ ने मुख्य अतिथि, अध्यक्ष और अन्य अतिथियों का बुके, अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।

इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया तथा स्कूल चलो अभियान थीम पर आकर्षक नुक्कड़ नाटक के माध्यम से शिक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि डॉ. गोरखनाथ पटेल ने विद्यालय में नवनिर्मित क्छळ लैब का उद्घाटन किया। साथ ही वार्षिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को मेडल, लर्निंग किट और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

उन्होंने अपने संबोधन में विद्यालय परिवार के प्रयासों की सराहना करते हुए छात्रों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने उपस्थित अभिभावकों एवं गणमान्य नागरिकों से अपील की कि 6 से 14 वर्ष के बच्चों का नामांकन नजदीकी परिषदीय विद्यालयों में अवश्य कराएं। उन्होंने बताया कि इन विद्यालयों में बच्चों को निःशुल्क पुस्तकें, मध्यान्ह भोजन तथा DBT के माध्यम से यूनिफॉर्म, कॉपी व पेन हेतु धनराशि सीधे अभिभावकों के खाते में प्रदान की जाती है। कार्यक्रम का संचालन यूटा बरसठी ब्लॉक अध्यक्ष डॉ. अमरेन्द्र सिंह ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ सहायक विन्ध्यवासिनी उपाध्याय, यूटा जिला महामंत्री राजकुमार मिश्र, जिला संगठन मंत्री अनुज सिंह, अंकित सिंह, देवेंद्र सिंह, शिव प्रकाश सिंह सहित अनेक शिक्षक एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

अंबेडकर जयंती समारोह में ओबीसी कॉलम को लेकर उठी आवाज, संविधान की अवहेलना का आरोप

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विधानसभा क्षेत्र बदलापुर के गणेश मैरिज लॉन में शनिवार को भारत रत्न संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन समाजवादी पार्टी युवजन सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष इंजीनियर ओमनाथ बिंद द्वारा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. रामकरण निर्मल रहे, जबकि अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक डॉ. रागिनी सोनकर उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों द्वारा बाबासाहेब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि डॉ.

रामकरण निर्मल ने अपने संबोधन में जातीय जनगणना में ओबीसी कॉलम न होने पर सवाल उठाते हुए इसे संविधान की भावना के विपरीत बताया। उन्होंने कहा कि बिना ओबीसी कॉलम के जातीय जनगणना अधूरी है और महिला बिल में भी ओबीसी व अल्पसंख्यक महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया है, जो संविधान की अवहेलना है।

उन्होंने बाबा साहब के संदेश ़शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो़ को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे ही समाज अपने अधिकारों की रक्षा कर सकता है।

अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि समाज को बाबा साहब के विचारों पर चलकर एकजुट होना होगा और पार्टी नेतृत्व को मजबूत करना होगा।

कार्यक्रम में पूर्व विधायक लालबहादुर यादव, राजनारायण बिंद, संगीता यादव, महेंद्र प्रताप यादव, श्यामबहादुर पाल, हीरालाल विश्वकर्मा, डॉ. शबनम नाज सहित कई नेताओं ने संबोधित किया और बाबा साहब के विचारों पर चलने का संकल्प लिया। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में उपस्थित महिलाओं व पुरुषों को अंगवस्त्रम एवं बाबा साहब का चित्र स्मृति चिन्ह के रूप में भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव आरिफ हबीब ने किया, जबकि आभार आयोजक इंजीनियर ओमनाथ बिंद ने व्यक्त किया।

जीशान अहमद खान की पहल से निखर रहा महिलाओं का हुनर, ZFM प्रशिक्षण केंद्र बना आत्मनिर्भरता की मिसाल

ZFM सिलाई सेन्टर एवं प्रशिक्षण केन्द्र

फूलपुर, आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। फूलपुर क्षेत्र में सामाजिक कार्यकर्ता जीशान अहमद खान के कुशल निर्देशन एवं मार्गदर्शन में संचालित ZFM सिलाई एवं निशुल्क प्रशिक्षण केंद्र महिलाओं और लड़कियों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सशक्त मंच बनकर उभर रहा है। उनकी इस पहल ने क्षेत्र की कई महिलाओं को हुनरमंद बनाकर उन्हें अपने पैरों पर खड़ा होने का अवसर प्रदान किया है।

केंद्र पर सिलाई मेहंदी डिजाइनिंग और कढ़ाई जैसे विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं और लड़कियां बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही हैं। प्रशिक्षण के दौरान आधुनिक डिजाइन कपड़ों की कटिंग सिलाई की उन्नत तकनीक तथा मेहंदी कला की बारीकियों का विशेष रूप से प्रशिक्षण दिया जा रहा है। श्री जीशान अहमद खान ने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें स्वरोजगार के लिए सक्षम करना है ताकि वे अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर सकें। उन्होंने कहा कि समाज में बदलाव तभी संभव है जब महिलाएं सशक्त और आत्मनिर्भर हों। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि जीशान अहमद खान द्वारा किया जा रहा यह प्रयास क्षेत्र में महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम है। वहीं प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिलाओं और लड़कियों ने भी इस केंद्र को अपने उज्ज्वल भविष्य की नींव बताया।

फ्यूचरिस्टिक कोर्सेज के साथ जैन यूनिवर्सिटी का करियर काउंसलिंग सत्र

रांची(उत्तरशक्ति)। जैन यूनिवर्सिटी अब युवाओं के लिए आधुनिक और फ्यूचरिस्टिक कोर्सेज लेकर आ रही है, जो उन्हें बदलती इंडस्ट्री की जरूरतों के अनुसार तैयार करेंगे। विश्वविद्यालय डेटा साइंस, साइबर सिक्योरिटी, एयरोस्पेस इंजीनियरिंग और आधुनिक प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में नए अवसर प्रदान कर रहा है। इसी कड़ी में 19 अप्रैल 2026 को रांची में एक विशेष करियर काउंसलिंग सत्र का आयोजन किया जाएगा, जहां छात्र विशेषज्ञों से सीधे संवाद कर अपने करियर की दिशा तय कर सकेंगे। यह सत्र होटल लैंडमार्क में आयोजित होगा। विश्वविद्यालय का दावा है कि उसका पाठ्यक्रम इंडस्ट्री से जुड़ा हुआ है, जो छात्रों को व्यावहारिक अनुभव के साथ पेशेवर चुनौतियों के लिए तैयार करता है। साथ ही, नैक ए प्लस प्लस मान्यता और बेहतर प्लेसमेंट रिकॉर्ड इसे खास बनाते हैं। यह पहल छात्रों को पारंपरिक शिक्षा से आगे बढ़कर नए युग के कौशल अपनाने और अपने करियर को नई दिशा देने का अवसर प्रदान करेगी।

लंका पुलिस ने 25 हजार के दो शातिर इनामी अपराधियों को किया गिरफ्तार

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के लंका पुलिस ने बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए 40 लाख की चोरी की घटना का सफल अनावरण किया। घर में घुसकर आभूषण और कीमती सामान चोरी करने वाले 25-25 हजार के दो शातिर अपराधियों को पकड़ा। उनके पास से चोरी गए शत-प्रतिशत आभूषण भी बरामद कर लिए। एसीपी भेलूपुर गौरव कुमार ने गिरफ्तारी और बरामदगी के बाबत जानकारी दी। डीसीपी काशी जोन की ओर से गुडवर्क के लिए पुलिस टीम को 25 हजार रुपये के इनाम की घोषणा की गई है।

शातिर चोरों ने बंद घर को बनाया निशाना

पुलिस के अनुसार, 5 अप्रैल 2026 को थाना लंका में पीड़ित ने सूचना दी कि वह और उनकी पत्नी 31 मार्च को अपने मूल गांव रोहतास गए थे। 4 अप्रैल को जब वे अपने गायत्री नगर स्थित मकान लौटे, तो मेन गेट का ताला बंद मिला लेकिन अंदर का ताला टूटा हुआ था। घर के ऊपर वाले कमरों में रखी अलमारी और बक्सों को तोड़कर पुश्तैनी लाखों रुपये के गहने और कुछ कपड़े चोरी कर लिए गए थे। पीड़ित की तहरीर के आधार पर थाना लंका में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।

40 लाख की चोरी की सूचना के बाद हरकत में आई पुलिस 40 लाख के आभूषण चोरी होने की सूचना के बाद लंका पुलिस हरकत में आई। एसीपी ने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के इलाके में लगे 250 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। इस दौरान शातिर चोरों के बारे में पुलिस को सुराग लगा। दोनों फेरी करने वाले हैं। उसी दौरान बंद मकानों की रेकी कर उन्हें निशाना बनाते थे।

लंका इंस्पेक्टर पर जानलेवा हमले के मामले में मिली जमानत

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में चेकिंग के दौरान लंका इंस्पेक्टर पर जानलेवा हमला करने के मामले में आरोपित को कोर्ट से बड़ी राहत मिल गई। प्रभारी जिला जज देवकांत शुक्ला की अदालत ने भभुआ, कैमूर (बिहार) निवासी आरोपित विकास पटेल को 50 हजार रुपए की एक जमानत एवं बंधपत्र देने पर रिहा करने का आदेश दिया। अदालत में बचाव पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अनुज यादव, नरेश यादव, रोहित यादव व संदीप यादव ने पक्ष रखा।

अभियोजन पक्ष के अनुसार लंका थाना प्रभारी राजकुमार 14 अगस्त 2025 को पुलिस टीम के साथ मलहिया तिराहा पर संदिग्ध वाहनों व व्यक्तियों की चेकिंग कर रहे थे। उसी दौरान एक सफेद रंग की अपाची पर दो व्यक्ति मलहिया की तरफ से डाफी टोल प्लाजा की तरफ जाते दिखायी दिये, जिन्हें रूकने का इशारा किया गया तो वे लोग भागने लगे। पुलिस द्वारा पीछा किया गया तो बदमाश अपने आप को पुलिस से घिरता देख कर अपने पास लिए असलहे से पीछे बैठे व्यक्ति ने इंस्पेक्टर समेत पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायर कर दिया। जिस पर पुलिस द्वारा भी एक राउंड फायर किया गया तो एक व्यक्ति वहीं जमीन पर गिरा हुआ था और कराह रहा था। वहीं गाड़ी चलाने वाला व्यक्ति भाग गया। पास जाकर घायल व्यक्ति को देखा गया तो उसके दाये पैर के घुटने के नीचे से खून बह रहा था। पूछने पर उसने अपना नाम विकास पटेल बताया तथा उसकी जामा तलाशी से एक अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर व उसके पास में मिले बैग से 14,500 रुपए व तीन एन्ड्रायड मोबाइल फोन बरामद हुआ। ई-चालान ऐप पर अपाचे मोटरसाइकिल नंबर वढ61अद4370 को चेक करने पर वाहन स्वामी आलोक यादव अंकित है। तमंचे के बारे में पूछा गया तो उसने बताया कि इसे शौकिया रखता हूँ और कहा गया कि हम लोग शहर के कई जगहो पर चोरी व छिनैती की घटना कारित किये हैं। पकडे गये व्यक्ति से बरामद मोटरसाइकिल के बारे में पूछा गया तो उसने बताया कि दिनांक 25 जुलाई 2025 को उसने बीएचयू कैंपस से चुराई थी। भागने वाले व्यक्ति के बारे में पूछा गया तो उसने उसका नाम जयकान्त पटेल बताया तथा यह भी कहा कि हम लोग साथ में मिलकर चोरी व छिनैती करते हैं।

डीएमआई दीक्षांत समारोह में राज्यपाल सैयद अता हसनैन ने 50 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की

पटना(उत्तरशक्ति)। विकास प्रबंधन संस्थान (डीएमआई) का दीक्षांत समारोह शनिवार को पुरानी सचिवालय स्थित अधिवेशन भवन में हुआ। मुख्य अतिथि राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) पीजी डिप्लोमा (डीएम) सत्र 2024-2026 में उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट की उपाधि दी। निदेशक प्रो. देवीप्रसाद मिश्रा वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत किए। समारोह की अध्यक्षता डीएमआई बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष सेवानिवृत्त आइएएस भानू प्रताप शर्मा ने की। विशेष रूप से डिजाइन किया हुआ कुर्ता-पायजामा, अंगवस्त्रम और चप्पल में सभी विद्यार्थी दीक्षांत समारोह में भाग लिए। 50 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। संस्थान की वेबसाइट पर उपलब्ध लिंक के माध्यम से समारोह का लाइव प्रसारण भी किया गया। ग्रामीण विकास विभाग के प्रभारी सचिव हिमांशु शर्मा ने विद्यार्थियों को बिहार में ग्रामीण विकास की स्थिति से अवगत कराए। मौके पर डीएन एकेडमिक प्रो. शंकर पूर्वे तथा बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के सदस्य मौजूद थे। विद्यार्थियों के साथ उनके माता-पिता व स्वजन भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान करने के बाद दीक्षांत भाषण में सफलता के मंत्र भी दिए। उन्होंने कहा कि बिहार का राज्यपाल बने एक माह होने को है, इन दिनों में कई कार्यक्रमों में गया, लेकिन डीएमआई का कार्यक्रम सबसे व्यवस्थित और अनुशासित है। समारोह बता रहा है कि आप गुड नहीं, एक्सीलेंट हैं। उन्होंने कहा कि दीक्षांत के बाद जीवन का पथ प्रारंभ होता है, जिसमें कक्षा में प्राप्त ज्ञान और अनुभव से नए पथ बनते हैं। गुड से एक्सीलेंट (बेहतर से उत्कृष्ट) बनने के लिए कुछ महत्वपूर्ण बिंदु हैं, जिन्हें आत्मसात करना होगा। इसकी पहली कड़ी है सुनने की क्षमता को बढ़ाना है। दूसरा जिम्मेवारियों को स्वीकार करने की प्रवृति विकसित करें। चुनौतीपूर्ण जिम्मेवारी मिले तो चिंतित नहीं हों, इसे अवसर के रूप में निष्पादित करें। तीसरा विषय समय में भी धैर्य नहीं खोना है। धैर्य हमारे निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ता है। चौथा नेतृत्वकर्ता बनें। टीम वर्क में विश्वास करें। एक-दूसरे के सहयोग से ही काम आसान होता है। इन

कड़ियों के मिश्रण होने पर बड़ी से बड़ी चुनौती भी दिनचर्या जैसी हो जाती है। उन्होंने विद्यार्थियों को सेना में सेवा के दौरान अपने रूटीन से भी अवगत कराया। उन्होंन कहा कि डीएमआई के दीक्षांत समारोह की थीम काफी प्रभावित करने वाली है। प्रत्येक वर्ष 18 अप्रैल को ही दीक्षांत समारोह किया जाता है। इसके पीछे का उद्देश्य राष्ट्रपति महात्मा गांधी के अस्तित्व के उच्चतर नियम का स्मरण करना है। 1917 में 18 अप्रैल के दिन ही राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने चंपारण में मजिस्ट्रेट की अदालत में कहा था, 'हमारे अस्तित्व के उच्चतर नियम, अंतरात्मा की आवाज के प्रति आज्ञाकारिता है।' यह एक पंक्ति मानव जीवन की उत्कृष्टता का दर्शन है।

निदेशक प्रो. देवीप्रसाद मिश्रा ने संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि संस्थान एकेडमिक, ट्रेनिंग, नवाचार, डिजिटिलाइजेशन आदि के क्षेत्रों में निरंतर बेहतर कर रहा है। संस्थान का हमेशा से उद्देश्य रहा है विद्यार्थी फिल्डवर्क में ज्यादा से ज्यादा समय दे। पिछले वर्ष विद्यार्थी गुजरात के गांवों में लंबे समय तक रहकर सहकारिता की बारीकियों से अवगत हुए। अमूल, वसुंधरा जैसे संस्थानों का सहयोग भी मिला। बिहार के चातुर्दिक विकास के लिए क्या किया जा सकता है, इसपर विभिन्न क्षेत्रों में काम किया जा रहा है। इसके परिणाम भी सकारात्मक मिल रहे हैं। संस्थान के सेंटर आफ एक्सीलेंस आपदा प्रबंधन, स्वच्छता, उद्यमिता आदि के क्षेत्र में बेहतर कर रहा है। विकास के विभिन्न आयाम में निरंतरता के लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम किए जा रहे हैं। इसमें सरकार के कई विभागों का सहयोग प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि नए सत्र में नामांकन की प्रक्रिया जारी है। दो वर्ष की पढ़ाई में एक-तिहाई से अधिक समय विद्यार्थियों के लिए फील्ड वर्क निर्धारित है।

ग्रामीण विकास विभाग के प्रभारी सचिव हिमांशु शर्मा ने कहा कि यह डिग्री सिर्फ पढ़ाई पूरी करने का प्रमाण भर नहीं, बल्कि आप विकास के पैमाने को अलग तरीके से देखने की काबिलियत प्राप्त किए हैं। जिसका लाभ खुद के साथ समाज और राज्य को भी मिलेगा। उन्होंने जीविका की सफलता की कहानी से भी विद्यार्थियों को अवगत कराया। कहा कि यहां से उत्तीर्ण विद्यार्थियों की की भूमिका ग्रामीण विकास में महत्वपूर्ण है। आप अपनी कक्षा के ज्ञान को जमीन पर लाएंगे तो लाखों लोगों के विकास के माध्यम से बनेंगे। डीएमआई का पाठ्यक्रम और पढ़ाई की शैली वैज्ञानिक और फील्ड अनुभव पर आधारित हैं। जिसका लाभ सेवा काल के दौरान मिलता है।

पंतनगर पुलिस ने फिल्मी अंदाज में पीछा कर चेन स्नैचर को किया गिरफ्तार

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई के घाटकोपर पूर्व स्थित पुष्प विहार जंक्शन पर पंतनगर पुलिस के एक साहसी सिपाही ने अद्भुत बहादुरी का परिचय देते हुए चेन स्नेचिंग की घटना को अंजाम देकर भाग रहे आरोपी को फिल्मी अंदाज में पीछा कर पकड़ लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुबह तड़के 74 वर्षीय बुजुर्ग महिला किशोरी मेहता के गले से बाइक सवार दो लुटेरों ने सोने की चेन छीन ली और मौके से फरार होने लगे। इसी दौरान क्षेत्र में गश्त कर रहे पंतनगर पुलिस स्टेशन के सिपाही रवींद्र कुन्हे ने तुरंत सतर्कता दिखाते हुए आरोपियों का पीछा किया। अपनी सूझबूझ और साहस का परिचय देते हुए सिपाही कुन्हे ने एक आरोपी, मोहम्मद अली शौकत अली मिर्जा, को मौके पर ही धर दबोचा। पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी की गई सोने की चेन भी बरामद कर ली। घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। इस साहसिक कार्य के लिए वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक लता सुतार द्वारा सिपाही रवींद्र कुन्हे को सम्मानित किया गया। साथ ही स्थानीय नागरिकों और पूरे पुलिस विभाग की ओर से उनकी जमकर सराहना की जा रही है।

ठाणे का डेवलपमेंट पैटर्न देश के लिए मॉडल : एकनाथ शिंदे

*** मेट्रो, टनल, पॉड टैक्सी से लेकर अफोर्डेबल हाउसिंग तक की यात्रा**

*** क्रेडाई एमसीएचआई की प्रॉपर्टी प्रदर्शनी में डीसीएम शिंदे ने रखा सुपर सिटी का प्लान**

ठाणे(उत्तरशक्ति)। मुंबई के प्रवेश द्वार पर बसे ठाणे शहर को सुपर सिटी बनाने का प्लान रखते हुए राज्य के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा कि आज ठाणे का विकास मॉडल पूरे देश में सराहा जा रहा है।

ठाणे में किसी भी सुविधा की कमी नहीं होगी। मेट्रो, टनेल, इंटरनल मेट्रो, वाटर मेट्रो से लेकर पॉड टैक्सी तक की योजनाओं पर काम हो रहा है। डिप्टी चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे उफएऊअक टऊलक ठाणे यूनिट द्वारा आयोजित 23वें रियल एस्टेट और हाउसिंग फाइनेंस एक्सपो में शामिल होकर विकासकों और नागरिकों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि ह्नहमारा एजेंडा सिर्फ.डेवलपमेंट का है और ठाणे पैटर्न देश के लिए एक मॉडल होगा।

50 लाख से 12 करोड़ तक हाउसिंग ऑप्सन

डिप्टी सीएम ने कहा कि ठाणे में 50 लाख से 12 करोड़ तक के अलग-अलग हाउसिंग ऑप्शन मौजूद हैं। यह एक्सपो कई परिवारों का सपना पूरा कर रहा है। यह कहते हुए कि घर देना एक आशीर्वाद है, उन्होंने बताया कि SRA और MHADA प्रोजेक्ट्स में घरों की चाबियां सौंपते समय लाभार्थियों के चेहरों पर जो खुशी दिखती है, वह सबसे बड़ी संतुष्टि है।

उन्होंने बताया कि ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन, CIDCO, MMRDA, MIDC, MSRDC और मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के जरिए क्लस्टर स्कीम को बड़े पैमाने पर लागू किया जा रहा है। मुंबई के रमाबाई अंबेडकर नगर और कामराज नगर में 17 हजार घरों पर काम चल रहा है। मुंबई की तरह ठाणे को भी स्लम-फ्री बनाने का अपना इरादा जताया। ठाणे, वडाला, घाटकोपर, गायमुख, मीरा-भायंदर से होते हुए एक मेट्रो लूप बनाया जा रहा है, और दूसरा लूप ठाणे-भिवंडी-कल्याण-अंबरनाथ-तलोजा होते हुए नवी मुंबई से जोड़ा जाएगा। 337 km का मेट्रो नेटवर्क यात्रा के समय को काफी कम कर देगा। ठाणे में एक इंटरनल मेट्रो शुरू की जा रही है और इसे मेन मेट्रो से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि ठाणे-बोरीवली का सफर दो घंटे से घटाकर 12 मिनट करने के लिए संजय गांधी नेशनल पार्क के नीचे एक टनल बनाई जा रही है। यह प्रोजेक्ट पर्यावरण का सरंक्षण करते हुए पूरा किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में, ट्रैफिक की समस्या के समाधान के तौर पर पॉड टैक्सी प्रोजेक्ट लागू किया जा रहा है। इसे मुंबई और ठाणे में भी लाया जाएगा।

नए ठाणे का प्लान

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि

घोड़बंदर रोड को 300 फीट चौड़ा किया गया है। एलिवेटेड रोड, कोस्टल रोड और टटफळ्अ के तीन बड़े पुल बनाए जा रहे हैं। गायमुख इलाके से ग्रामीण इलाकों को जोड़कर 'नया ठाणे' बनाया जाएगा। इससे ठाणे में ट्रैफिक काफी हद तक कम हो जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि ठाणे में वॉटर ट्रांसपोर्ट शुरू करने का प्लान है। सेंटर पार्क, गायमुख चौपाटी और दूसरे प्रोजेक्ट की वजह से शहर का कायापलट हो रहा है। डेवलपर्स से ज्यादा पेड़ लगाने पर ध्यान देने की अपील करते हुए, उन्होंने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग और क्लाइमेट चेंज को देखते हुए ग्रीन कवर बढ़ाना जरूरी है।

मैंग्रोव जंगलों को बचाने के लिए एक कानून पास किया गया है और ग्रीन ळअफदेने का फैसला किया गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि हर प्रोजेक्ट इको-फ्रेंडली होना चाहिए। डेवलपर्स से नरेंद्र मोदी के दो करोड़ घरों के लक्ष्य में योगदान देने की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र GDP, विदेशी निवेश और स्टार्टअप्स में देश में सबसे ऊपर है और राज्य का लक्ष्य $5 ट्रिलियन की इकॉनमी में $1 ट्रिलियन की हिस्सेदारी हासिल करना है।

विकासकों ने किया डिप्टी सीएम का स्वागत

अपने मुख्यमंत्री रहते नई हाउसिंग पॉलिसी लाने वाले नगरविकास मंत्री एकनाथ शिंदे का स्वागत करते हुए क्रेडाई एमसीएचआई के ठाणे अध्यक्ष सचिन मिरानी ने कहा कि डिप्टी सीएम स्वयं ठाणेकर हैं। ठाणे शहर को नया स्वरूप देने में डिप्टी सीएम श्री शिंदे साहेब का सबसे ज्यादा योगदान रहा है।

प्रॉपर्टी एग्जीबिशन में लगे प्रमुख स्टालों पर डिप्टी सीएम ने भेंट दी। उपमुख्यमंत्री के साथ क्रेडाई-एमसीएचआई, ठाणे के प्रेसिडेंट सचिन मिरानी, क्रेडाई-एमसीएचआई, ठाणे के चुने हुए प्रेसिडेंट गौरव शर्मा, सेक्रेटरी फैयाज विरानी, प्रॉपर्टी एग्जीबिशन कमिटी के प्रेसिडेंट विभव बोरकर, मंथन मेहता, दोस्ती ग्रुप के राजू भाई बोरा, यूथ विंग के प्रेसिडेंट निमित मेहता सहित कई पदाधिकारी व विकासक उपस्थित थे। इस मौके पर ठाणे मनपा आयुक्त सौरभ राव, कलेक्टर श्रीकृष्ण पांचाल, स्थानीय नगरसेवक संजय भोईर भी मौजूद थे। उसके पहले सबेरे सबेरे के सत्र ने विधायक निरंजन डावखरे, मेयर शर्मिला पिम्पोलकर,उप महापौर कृष्णा पाटिल,नगरसेवक संजय भोईर,उषा भोईर आदि जनप्रतिनिधियों ने प्रोपर्टी एग्जीबिशन के उद्घाटन कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

नायका ने एक विशाल गुलाबी बर्थडे केक के साथ बैंडस्टैंड पर कब्जा जमा लिया

मुंबई। नायका इस अप्रैल बैंडस्टैंड, बांद्रा में एक ऐसा जबरदस्त अनुभव लेकर आ रहा है जिसे नजरअंदाज करना नामुमकिन है। अपने सिग्नेचर प्लेफुल और 'ग्राहक सबसे पहले' वाली सोच को असलियत में बदलते हुए, नायका 18 से 19 अप्रैल, 2026 तक एक विशाल बर्थडे केक की कलाकृति पेश कर रहा है, और मुंबई को न्योता दे रहा है कि वे सचमुच 'ब्यूटी का एक स्लाइस' अपने घर ले जाएं।

समुद्र के किनारे बने मशहूर सैरगाह के बैकग्राउंड में, यह इंस्टॉलेशन उस जगह को खूबसूरती से भरे एक जश्न के जोन में बदल देता है। एक इंटरैक्टिव और गेम जैसा अनुभव देने के लिए डिजाइन किया गया यह केक, सिर्फ. एक देखने लायक शोपीस से कहीं ज्यादा है। खूबसूरती के शौकीन लोग इस केक का एक टुकड़ा निकाल सकते हैं, हर टुकड़ा एक गिफ्ट बॉक्स की तरह डिजाइन किया गया है, जिसमें खूबसूरती से जुड़ी चुनिंदा चीजें भरी हैं, और हर टुकड़े में एक सरप्राइज भी छिपा है। यह मजेदार अपना टुकड़ा चुनने वाला तरीका, नायका के मुख्य वादे–खोज, सरप्राइज और खुशी–को एक ऐसे रूप में जीवंत कर देता है, जो अनुभव करने लायक भी है और दूसरों के साथ शेयर करने लायक भी। बर्थडे सिग्नेचर को एक ट्विस्ट देते हुए नायका ने इस बार कुछ अलग किया है- ये नायका का जन्मदिन है, लेकिन गिफ्ट आपके लिए हैं!

यह एक्टिवेशन सिर्फ. एक शानदार नजारा ही नहीं है, बल्कि ऑन-ग्राउंड और ऑनलाइन, दोनों जगहों पर ऑर्गेनिक बातचीत को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किया गया है। अपने पिक्चर-परफेक्ट डिजाइन और इंटरैक्टिव तरीके के साथ, यह केक एक 'सोशल-फर्स्ट' पल का भी काम करता है, जो ग्राहकों को मजेदार और यादगार तरीके से ब्रांड के साथ जश्न मनाने, उसे शेयर करने और उससे जुड़ने के लिए प्रेरित करता है। नायका के जन्मदिन अभियान के एक 'फिजीटल' विस्तार के तौर पर परिकल्पित, यह इंस्टॉलेशन ऑफलाइन जुड़ाव और ऑनलाइन कॉमर्स के बीच एक मजबूत पुल का काम करता है। जहां ग्राहक खुद आकर अपना स्लाइस ऑफ ब्यूटी ले सकते हैं, वहीं यह जश्न यहीं खत्म नहीं होता। जो लोग बैंडस्टैंड नहीं पहुँच पा रहे हैं, उनके लिए नायका की बर्थडे सेल 21 अप्रैल तक ऐप और वेबसाइट, दोनों पर लाइव है; यह पूरे देश के ग्राहकों के लिए खास डील्स, ऑफर्स और सरप्राइज लेकर आई है।

इस एक्टिवेशन के साथ नायका अनुभव-आधारित मार्केटिंग के क्षेत्र में लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है, इसने एक ब्रांड माइलस्टोन को एक बेहद जोशीले और उपभोक्ता-केंद्रित उत्सव में बदल दिया है, जिसमें कंटेंट, कम्युनिटी और कॉमर्स का बेजोड़ संगम देखने को मिलता है। सौंदर्य की दुनिया से अपनी पसंद की चीजें चुनने के लिए 18-19 अप्रैल, 2026 को बांद्रा के बैंडस्टैंड पर जाएँ, या फिर आप जहाँ कहीं भी हों, वहीं से इस जन्मदिन के जश्न में शामिल होने के लिए नायका ऐप और वेबसाइट पर लॉग इन करें।

इंदौर में चलती कार में लगी आग, बॉम्बे हॉस्पिटल के पास हादसा

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

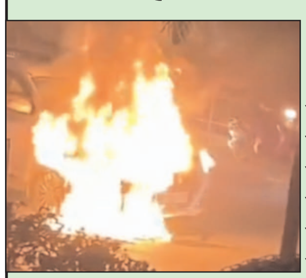

इंदौर (उत्तरशक्ति)। सर्किट की आशंका, परिवार बाल-बाल बचा। कार मालिक और उनकी बुजुर्ग मां, पत्नी और बेटी सवार थे। आग लगते ही आसपास मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। गनीमत रही कि किसी को भी चोट नहीं आई। घटना के दौरान मौके से गुजर रहे एक पानी के टैंकर ने आग बुझाने में अहम भूमिका निभाई। टैंकर से पानी डालकर आग पर काबू पाया गया, वरना कार पूरी तरह जल सकती थी और आसपास के लोगों के लिए भी खतरा बढ़ सकता था।

भाजपा युवा मोर्चा में निखिल उपाध्याय की शहर सचिव पद पर नियुक्ति

वसई (उत्तर शक्ति)। भारतीय जनता पार्टी वसई-विरार शहर जिला में संगठन को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए युवा मोर्चा में नई नियुक्ति की गई है। पार्टी के युवा जिला अध्यक्ष विनीत तिवारी द्वारा जारी पत्र के अनुसार, निखिल उपाध्याय को युवा मोर्चा जिला सचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जारी पत्र में बताया गया है कि निखिल उपाध्याय लंबे समय से राजनीतिक क्षेत्र में सक्रिय रहकर संगठन के लिए कार्य करते आ रहे हैं। उनके अनुभव और कार्यशैली को देखते हुए यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। पार्टी नेतृत्व को विश्वास है कि वे इस पद पर रहते हुए संगठन को और अधिक सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर विनीत तिवारी ने नवनियुक्त पदाधिकारी को शुभकामनाएं देते हुए आशा जताई कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ करेंगे तथा आगामी समय में संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में सफल होंगे।

दो आरोपी गिरफ्तार, भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में अपराध नियंत्रण के तहत शाहगंज पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस टीम ने शनिवार को दो शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की है। पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के क्रम में प्रभारी निरीक्षक शाहगंज की टीम ने मुखबिर की सूचना पर बड़ागांव नहर पुलिया के पास चेकिंग के दौरान दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद उनकी निशानदेही पर बड़ी मात्रा में विस्फोटक बनाने की सामग्री बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अफसर हुसैनी (निवासी अरसिया, थाना सरपतहां) और विष्णु प्रताप (निवासी चूड़ी मोहल्ला, थाना शाहगंज) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के पास से 75 किलो बारूद, 44 किलो कलमी सोडा, 94 किलो पीला पाउडर, 72 किलो बरेठा तथा 30 किलो यूरिया बरामद किया गया है। पुलिस टीम आरोपियों से पूछताछ कर रही है और मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मानव एकता दिवस : सेवा और आध्यात्मिक समरसता का पावन अवसर

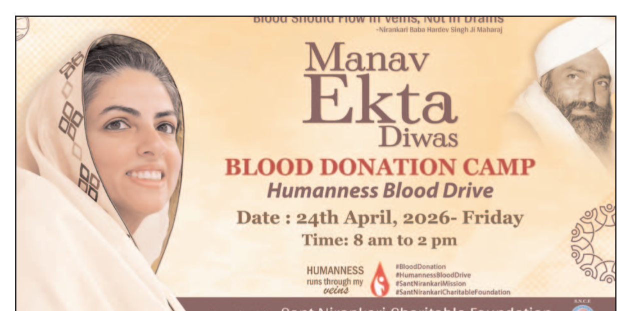

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। संत निरंकारी मिशन द्वारा बाबा गुरबचन सिंह जी की पावन स्मृति में मानव एकता दिवस का आयोजन 24 अप्रैल 2026 को श्रद्धा, समर्पण और प्रेममय वातावरण में किया जाएगा। यह दिवस मानवता को एकता, सेवा और सद्भाव का संदेश देने के उद्देश्य से मनाया जाता है।

इस अवसर पर दिल्ली के बुराड़ी स्थित ग्राउंड नंबर-2 में सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी के सान्निध्य में भव्य सत्संग आयोजित होगा, जिसमें देश-विदेश से श्रद्धालु शामिल होंगे। इसके साथ ही विभिन्न शाखाओं में भी कार्यक्रम आयोजित कर मानव एकता का संदेश प्रसारित किया जाएगा।

स्थानीय मीडिया सहायक उदय नारायण जायसवाल ने बताया कि यह दिवस बाबा गुरबचन सिंह जी एवं चाचा प्रताप सिंह जी की स्मृति को समर्पित है, जिन्होंने अपने जीवन में सेवा, समर्पण और मानवता का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंतर्गत दिल्ली में प्रातः 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। इसी क्रम में जौनपुर के मड़ियाहूं पड़ाव स्थित निरंकारी सत्संग भवन में भी रक्तदान शिविर लगाया जाएगा। इसमें चिकित्सकों की टीम एवं इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी के सहयोग से सेवा कार्य संपन्न होगा। मिशन के पदाधिकारियों के अनुसार, संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के मार्गदर्शन में आयोजित इन शिविरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु रक्तदान कर मानव जीवन बचाने में योगदान देंगे। उल्लेखनीय है कि संत निरंकारी मिशन पिछले चार दशकों से रक्तदान के क्षेत्र में सक्रिय है और इसके माध्यम से हजारों लोगों को जीवनदान मिल चुका है। यह आयोजन न केवल आध्यात्मिक जागृति का माध्यम बनेगा, बल्कि समाज में प्रेम, शांति और भाईचारे की भावना को भी सुदृढ़ करेगा।

पांचवीं पुण्यतिथि पर पत्रकार रिंकू श्रीवास्तव को श्रद्धांजलि

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पत्रकार रिंकू श्रीवास्तव की पांचवीं पुण्यतिथि पर शनिवार को कस्बा के मीडिया कार्यालय पर शोकसभा का आयोजन किया गया। 18 मार्च को कोरोना संक्रमण से उनका निधन हुआ था। कार्यक्रम की अध्यक्षता पत्रकार अजीम सिद्दीकी ने की। इस दौरान उपस्थित पत्रकारों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

अजीम सिद्दीकी ने दिवंगत रिंकू श्रीवास्तव के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें निष्पक्ष, निर्भीक और समर्पित पत्रकार बताया। उन्होंने कहा कि उनकी कलम भले थम गई हो, लेकिन उनका योगदान और पहचान हमेशा जीवित रहेंगे। उन्होंने पत्रकारिता में जनसरोकारों को प्राथमिकता दी और समाज के कमजोर वर्गों की आवाज को मजबूती से उठाया। वरिष्ठ पत्रकार आनंद कुमार सिंह ने कहा कि स्व. श्रीवास्तव हंसमुख और मिलनसार व्यक्तित्व के धनी थे। उनका सहयोग और अपनापन साथियों के बीच सदैव याद किया जाएगा। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके अधूरे कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान सभी ने उनकी स्मृतियों को साझा करते हुए नम आंखों से उन्हें याद किया। इस दौरान वरिष्ठ पत्रकार राममूर्ति यादव, विवेक श्रीवास्तव, यूसुफ खान, श्यामचंद्र यादव,फहीम अहमद,उमेश कुमार सिंह बाबा, राकेश शर्मा, हाजी जियाउद्दीन, सुरेश कुमार, मोनू श्रीवास्तव, भानु सिंह आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन आनंद बरनवाल ने किया।

खनी कायस्थ परिवार मिलन समारोह में दिखा उत्साह

पटना। बांकीपुर क्लब में लेखनी कायस्थ परिवार द्वारा एक भव्य मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बिहार के पूर्व डी.जी.पी. आलोक राज उपस्थित रहे। आयोजकों द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण महिला उद्यमियों द्वारा प्रस्तुत किया गया रैंप वॉक रहा। इस अनूठी पहल का उद्देश्य महिलाओं द्वारा संचालित उद्योगों एवं व्यवसायों को प्रोत्साहित करना और उन्हें एक सशक्त मंच प्रदान करना था। रैंप वॉक के माध्यम से महिला उद्यमियों ने अपने उत्पादों और कार्यों का प्रभावशाली प्रदर्शन किया, जिसे उपस्थित दर्शकों ने खूब सराहा। संस्था की संस्थापक नूपुर प्रसाद, संध्या सिन्हा, चंदना सहाय एवं सुनीता प्रकाश ने संगठन के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए ह्नलेखनी गुल्लकह्न के माध्यम से किए जा रहे सामाजिक कार्यों और गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस पहल से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं सरिता प्रसाद और अंजू सहाय ने आपसी स्नेह और एकता बनाए रखने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान रचना सहाय द्वारा आयोजित प्रश्न-उत्तर सत्र ने सभी को बांधे रखा और सहभागियों में खासा उत्साह देखा गया।

घाटकोपर के छेड़ा नगर हाईवे पर कार दुर्घटना, यातायात प्रभावित

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई के व्यस्ततम क्षेत्रों में से एक घाटकोपर स्थित छेड़ा नगर हाईवे पर आज एक सड़क दुर्घटना में तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई। घटना के कारण कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा और सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें देखी गईं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, छेड़ा नगर फ्लाईओवर के पास चालक का नियंत्रण खोने से कार बीच सड़क पर पलट गई। राहत की बात यह रही कि इस दुर्घटना में किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है, हालांकि वाहन को काफी नुकसान पहुँचा है। घटना की सूचना मिलते ही ट्रैफिक पुलिस एवं बचाव दल मौके पर पहुँच गए। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए क्रेन की सहायता से वाहन को सड़क से हटाया, जिसके बाद यातायात को पुनः सुचारू किया गया। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि विशेष रूप से मानसून के दौरान वाहन चलाते समय गति सीमा का पालन करें तथा सुरक्षित दूरी बनाए रखें, जिससे इस प्रकार की घटनाओं से बचा जा सके।

आइटेल ने फीचर फोन के लिए काउंटर रिप्लेसमेंट ऑफर लॉन्च किया

मुंबई। अपनी मजबूती (ड्यूरेबिलिटी), भरोसे (रिलायबिलिटी) और कम दामों (अफोर्डेबिलिटी) के लिए मशहूर भारत के प्रमुख तकनीकी ब्रांड (टेक ब्रांड), आइटेल (itel) भारत में अपने शानदार 10 साल पूरे कर रहा है। आइटेल अब 15 करोड़ ग्राहकों के विशाल परिवार तक पहुँच गया है, जो इसके बदलाव भरे सफर में एक बड़ी उपलब्धि (माइलस्टोन) है। इस खुशी को दोगुना करने के लिए, आइटेल ने साधारण फोन (फीचर फोन) में किसी भी निर्माण दोष (मैन्युफैक्चरिंग डिफेक्ट) के लिए 1 साल के 'काउंटर रिप्लेसमेंट' (बदली) की सुविधा पेश की है, जो देश भर के ग्राहकों के लिए एक बड़ा उपहार (बोनन्जा) है।

हंगामा ओटीटी पर मंगलमुखी लॉन्च, रियल लाइफ ट्रांसजेंडर लीड के साथ क्राइम ड्रामा

मुंबई। भारत के प्रमुख डिजिटल एंटरटेनमेंट प्लेटफॉर्म्स में से एक हंगामा ओटीटी ने अपनी नई ओरिजिनल सीरीज मंगलमुखी लॉन्च की। यह एक सशक्त क्राइम ड्रामा है, जिसकी कहानी वाराणसी और मुंबई जैसे दो अलग-अलग माहौल के बीच आगे बढ़ती है। इस सीरीज में एला डी वर्मा मुख्य भूमिका में नजर आएंगे, उनके साथ नमिश तनेजा, रति पांडे और तान्या शर्मा भी अहम किरदार निभा रहे हैं। यह कहानी एक हाई-स्टेक मर्डर मिस्ट्री को पहचान, सम्मान और संघर्ष की भावनात्मक परतों के साथ जोड़ती है। मंगलमुखी की कहानी मंगल के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक ट्रांसजेंडर पुलिस ऑफिसर है और जिसे लंबे समय से अपने विभाग में तिरस्कार और नजरअंदाजी झेलनी पड़ी है। लेकिन उसकी जिंदगी तब बदलती है, जब उसे अपना पहला बड़ा केस मिलता है। यह केस एक लोकप्रिय टीवी स्टार की कैमरे पर हुई रहस्यमयी मौत से जुड़ा है, जो उसे वाराणसी से मुंबई के अंधेरे एंटरटेनमेंट जगत तक ले जाता है। जो शुरूआत में एक हादसा लगता है, वह धीरे-धीरे एक खौफनाक जांच में बदल जाता है, जहां मंगल को सिर्फ इंसाफ के लिए नहीं बल्कि अपनी पहचान के लिए भी लड़ना पड़ता है। अपने किरदार के बारे में एला डी वर्मा कहते हैं, मंगलमुखी सिर्फ एक पुलिस ऑफिसर की कहानी नहीं है, यह पहचान, हिम्मत और खुद पर विश्वास की कहानी है। उसकी यात्रा जेंडर से आगे जाती है। यह साबित करने की कहानी है कि आपकी काबिलियत इस बात से तय नहीं होती कि समाज आपको कैसे देखता है। वह तेज, मजबूत और निडर है, और यही बात मुझे इस किरदार की तरफ खींच लाई।

28 को काशी में विकास पर्व, पीएम मोदी का दो दिवसीय दौरा प्रस्तावित

*** 7000 करोड़ की सौगात, सिग्नेचर ब्रिज लोकार्पण से लाट भैरव सेतु शिलान्यास तक, प्रशासन हाई अलर्ट**

*** महिला सशक्तिकरण पर बड़ा संदेश, जनसभा की भव्य तैयारी**

-सुरेश गांधी

वाराणसी। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक बार फिर अपने संसदीय क्षेत्र काशी को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए तैयार हैं। 28 से 29 अप्रैल तक प्रस्तावित दो दिवसीय दौरे को लेकर जिला प्रशासन से लेकर केंद्र और राज्य की एजेंसियां पूरी तरह सक्रिय हो गई हैं। हालांकि कार्यक्रम की अंतिम तिथि का औपचारिक ऐलान अभी शेष है, लेकिन तैयारियों की रफ्तार इस बात का संकेत दे रही है कि काशी में जल्द ही एक बड़ा राजनीतिक और विकासात्मक आयोजन होने जा रहा है। बता दें, संभावित इस दौरे को विकास पर्व के रूप में तैयार किया जा रहा है, जिसमें करीब 7000 करोड़ की 100 से अधिक परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास प्रस्तावित है। भाजपा संगठन और प्रशासनिक सूत्रों के मुताबिक, कार्यक्रम की टाइमिंग पश्चिम बंगाल चुनाव के प्रचार थमने और मतगणना के बीच तय किए

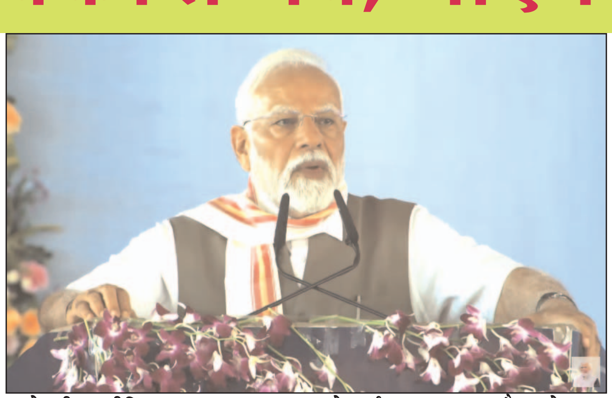

जाने की रणनीति पर काम चल रहा है।

सिग्नेचर ब्रिज से लाट भैरव सेतु तक, इन्फ्रास्ट्रक्चर को रफ्तार

इस दौरे की सबसे बड़ी झलक काशी के बुनियादी ढांचे में बड़ा बदलाव होगी, सिग्नेचर ब्रिज का लोकार्पण, बाबा लाट भैरव सेतु का शिलान्यास, सड़क, रेल और खेल से जुड़ी परियोजनाओं का विस्तार, गंगा पार रामनगर क्षेत्र में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस सहित कई योजनाएं भी प्रस्तावित हैं, जो काशी को आधुनिकता और परंपरा के संगम के रूप में स्थापित करेंगी.

अमृत 2.0 से बदलेगी पानी की तस्वीर

अमृत 2.0 के तहत पेयजल व्यवस्था को मजबूत करने के लिए बड़े पैमाने पर काम प्रस्तावित है, 814 करोड़ की पेयजल परियोजनाओं का शिलान्यास, वरुणा पार, रामनगर, सूजाबाद सहित 18 वार्डों में विस्तार, 651 किमी नई पाइपलाइन बिछेगी. करीब 3 लाख लोगों को सीधा लाभ, 67,886 घरों को शुद्ध जल आपूर्ति से जोड़ा जाएगा, इसके अलावा 98 करोड़ की लागत से नगर निगम के नए सदन भवन का शिलान्यास भी कार्यक्रम का हिस्सा होगा।

बरेका में ठहराव, जनसभा से राजनीतिक संदेश

दौरे के दौरान प्रधानमंत्री का ठहराव बरेका में प्रस्तावित है। यहीं से कार्यक्रमों का संचालन होगा। इस दौरान एक भव्य जनसभा की भी तैयारी, पूर्वांचल को साधने और विकास एजेंडा को धार देने की रणनीति, संगठन और प्रशासन के बीच समन्वय तेज हो गया है.

अपने पारंपरिक काशी दौरे की तरह प्रधानमंत्री काशी विश्वनाथ मंदिर और काल भैरव मंदिर में दर्शन-पूजन भी करेंगे। इससे विकास और आस्था, दोनों संदेश एक साथ जाएंगे।

सुरक्षा और व्यवस्थाओं पर कड़ी नजर

प्रस्तावित दौरे को लेकर सुरक्षा व्यवस्था अभूतपूर्व स्तर पर तैयार की जा रही है। पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल और जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने बरेका से लेकर सड़क मार्ग की स्थिति कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण, प्रवेश/निकास द्वारों की व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण और बैरिकेडिंग, हेलीपैड, वीवीआईपी एंट्री और ड्रॉपिंग जोन, पार्किंग और आपातकालीन मार्ग, सभी पहलुओं पर अपनी पैनी निगाह लगाएं हुए है. संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कवरेज बढ़ाने और सुरक्षा बलों की तैनाती के निर्देश दिए गए हैं। यातायात व्यवस्था के लिए शहर में व्यापक डायवर्जन प्लान लागू किया जाएगा, ताकि आम जनजीवन प्रभावित न हो और वीवीआईपी मूवमेंट निर्बाध रहे।

राजनीतिक टाइमिंग और रणनीति

यह दौरा केवल विकास परियोजनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि इसकी राजनीतिक टाइमिंग भी अहम मानी जा रही है, बंगाल चुनाव प्रचार के बाद काशी से संदेश. मतगणना के बीच राष्ट्रीय फोकस को साधने की कोशिश, ह्नकाशी मॉडलह्न को फिर राष्ट्रीय विमर्श में लाने की रणनीति. मतलब साफ है काशी एक बार फिर इतिहास रचने को तैयार है। 7000 करोड़ की परियोजनाएं, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, सुदृढ़ पेयजल व्यवस्था और आस्था के केंद्रों से जुड़ा यह दौरा काशी को नए युग में ले जाने का संकेत देता है। विकास, राजनीति और आध्यात्मिकता, तीनों के संगम से यह दौरा न केवल वाराणसी, बल्कि पूरे देश के लिए एक बड़ा संदेश साबित हो सकता है।